राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,19 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–292 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'अपनी विदेश नीति के तहत आतंकवाद का समर्थन करते हैं...' पीएम का इशारों में पाक पर निशाना

आतंकी फंडिंग के खिलाफ दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज हो गया है। पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि यह अद्भुत है कि यह सम्मेलन भारत में हो रहा है।

नई दिल्ली। आतंकी फंडिंग के खिलाफ दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली में शुरू हो गया है। पीएम मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने अपना संबोधन भी दिया। मोदी ने कहा कि यह अद्भुत है कि यह सम्मेलन भारत में हो रहा है। सम्मेलन में दुनिया के 72 देशों व छह संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को समापन सत्र को संबोधित करेंगे।

आतंकवाद का बहादुरी से मुकाबला किया- मोदी

मोदी ने कहा कि हमारे देश ने आतंक की विभीषिका का सामना दुनिया के गंभीरता से लेने से बहुत पहले से किया है। दशकों से अलग-अलग रूपों में आतंकवाद ने भारत को चोट पहुंचाने की कोशिश की जिसकी वजह से हमने हजारों कीमती जानें गंवाईं, लेकिन हमने आतंकवाद का बहादुरी से मुकाबला किया।

आतंकवाद की जड़ों पर हमला करें

मोदी ने आगे कहा कि आतंकवाद का दीर्घकालिक प्रभाव गरीबों और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर होता है, चाहे फिर वह पर्यटन हो या व्यापार। कोई भी उस इलाके को पसंद नहीं करता जहां लगातार खतरा बना रहता है। इसकी वजह से वहां के लोगों की आजीविका पर भी असर पड़ता है। इसलिए यह अहम है कि हम आतंवाद की जड़ों पर हमला करें। हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं हो जाता।

इशारों-इशारों में पाकिस्तान पर निशाना

पीएम मोदी ने इशारों-इशारों में पाकिस्तान पर निशाना भी साधा। मोदी ने कहा कि कुछ देश अपनी विदेश नीति के तहत आतंकवाद का समर्थन करते हैं। वे उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठन को यह नहीं सोचना चाहिए कि युद्ध की अनुपस्थिति का अर्थ शांति है। यह महत्वपूर्ण है कि हम संयुक्त रूप से कट्टरवाद और उग्रवाद की समस्या का समाधान करें। कट्टरवाद का समर्थन करने वाले का किसी भी देश में कोई स्थान नहीं होना चाहिए आतंकवाद को खत्म करने के लिए एक व्यापक, सक्रिय, व्यवस्थित प्रतिक्रिया की जरूरत है। अगर हम चाहते हैं कि हमारे नागरिक सुरक्षित रहें, तो हम तब तक इंतजार नहीं कर सकते जब तक कि आतंक हमारे घरों में न आ जाए। हमें आतंकवादियों के वित्त पर चोट करनी चाहिए। दो दिन के सम्मेलन में कुल चार सत्र

● मोदी ने आगे कहा कि आतंकवाद का दीर्घकालिक प्रभाव गरीबों और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर होता है, चाहे फिर वह पर्यटन हो या व्यापार।

दो दिन के सम्मेलन में कुल चार सत्र होंगे। इसमें आतंकी फंडिंग के औपचारिक व अनौपचारिक सभी तरीकों पर चर्चा होगी। वहीं, शनिवार को आतंकी फंडिंग के लिए नई तकनीक और रास्तों के इस्तेमाल पर चर्चा होगी।

आफताब की जिंदगी में आ गई थी दूसरी लड़की? वो 10 सवाल जिनके इर्द-गिर्द चल रही जांच

नई दिल्ली। श्रद्धा वालकर मर्डर केस की गुथ्थियां अभी तक नहीं सुलझ पाई हैं। ऐसे कई सारे सवाले हैं, जिनके जवाब पाने में जांच अधिकारी जुटे हुए हैं। कॉल सेंटर में काम करने वाली श्रद्धा आफताब पूनावाला के साथ लिव-इन में रहती थी। आफताब ने बर्बरता से श्रद्धा की बॉडी को 35 टुकड़ों में काटकर हत्या कर दी। आफताब से मामले को लेकर पूछताछ जारी है। खबर है कि वह पूछताछ के दौरान हार्डकोर

क्रिमिनल के तौर पर बर्ताव कर रहा है। फॉरेंसिक साइंट लेबोरेटी (स्रस्रु) के एक सदस्य ने बताया कि आफताफ वारदात से जुड़े हर एक पहलू को बहुत ही सामान्य तरीके से पेश कर रहा है। दिल्ली की अदालत ने आफताब से पांच दिन और पूछताछ करने की गुरुवार को अनुमति दे दी। अदालत ने फॉरेंसिक प्रक्रिया से गुजरने के लिए आरोपी के सहमति देने के बाद उसके नार्को टेस्ट की भी इजाजत दी। मामले की जांच कर रहे जांचकर्ताओं ने कहा कि यह आवश्यक है क्योंकि वह अपने बयान बदल रहा है और जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ता दिल्ली के अन्य पुलिस जिलों से मदद ले सकते हैं। आफताब को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे स्थानों पर ले जाएंगे ताकि वालकर की हत्या की घटनाओं के क्रम को स्थापित किया जा सके। सूत्रों ने बताया कि मुंबई छोड़ने के बाद श्रद्धा और आफताब ने कई स्थानों की यात्रा की थी। पुलिस आरोपी के साथ इन स्थानों का दौरा करेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन यात्राओं के दौरान उन दोनों के बीच कोई अनबन तो नहीं हुई थी। अभी भी 10 ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब नहीं मिल पाए हैं।

45 साल किया इंतजार, फिर जमीन का मुआवजा न मिलने पर उड़ा दी रेल लाइन

उदयपुर। उदयपुर-अहमदाबाद नई रेलवे लाइन पर ओढ़ा ब्रिज पर ब्लास्ट करने वाले मुख्य अरोपी ने अपने भतीजों को साथ लेकर इस काम को अंजाम इसलिए दिया क्योंकि उसकी जमीन अवाप्ति के 45 साल बाद न तो उसे मुआवजा मिला और न ही नौकरी। साल 1974-75 व 1980 में आरोपी के परिवार की 70 बीघा जमीन रेलवे लाइन और हिंदुस्तान जिंक के लिए अवाप्त की गई थी। आरोपियों ने पटरी के दोनों ओर 40-40 डेटोनेटर को जिलेटिन व यूज वायर से बांध और दो बम लगाकर आग लगाई थी। वारदात के बाद तीनों आरोपी घर जाकर सो गए। धमाके बाद वे पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखते रहे। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद यह कहानी सुनाई है। एसओजी एटीएस के एडीजी अशोक राठौड़ के मुताबिक मुख्य आरोपी जावर माइंस थाना क्षेत्र में एकलिंगपुरा निवासी धूलचंद मीणा (32) ने अपने भतीजे प्रकाश मीणा (18) व एक अपचारी के साथ मिलकर इस काम को अंजाम तक पहुंचाया।

ट्रेन गुजरने के बाद लगाया बम-पुलिस के मुताबिक, इलाके में ब्लास्ट सामग्री बेचने वाले व्यापारी अंकुश सुवालका को हिरासत में लिया गया है। यह विस्फोटक सामग्री अवैध रूप से बेच रहा था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि ट्रेन गुजरने के बाद तीनों ब्रिज पर पहुंचे। प्रकाश बाइक स्टार्ट करके खड़ा रहा। धूलचंद नाबालिग को साथ लेकर रेलवे लाइन पर पहुंचा, विस्फोट सामग्री लगाकर आग लगा दी। फिर बाइक के जरिये तीनों वहां से भाग निकले।

सुनवाई नहीं हुई तो विस्फोट-पुलिस के मुताबिक साल 1974-75 व 1980 में धूलचंद मीणा के परिवार की जमीन रेलवे और हिंदुस्तान जिंक ने अवाप्त की थी। इसके एवज में परिवार को न तो मुआवजा मिला और न ही नौकरी दी गई। कई सालों से वह रेलवे का चक्कर लगा रहा था। मदद नहीं मिलने के कारण ही उसने साजिश रची।

एलजी का केजरीवाल को बड़ा झटका, करीबी के काम पर 'बैन'; सुविधाओं पर भी रोक

नई दिल्ली। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने अरविंद केजरीवाल सरकार को बड़ा झटका दिया है। एलजी ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के थिंक टैंक के रूप में काम करने वाले डायलॉग एंड डिवेलपमेंट कमीशन ऑफ दिल्ली (डीडीसीडी) के उपाध्यक्ष जास्मिन शाह को काम करने से रोक दिया है। साथ ही उनसे सभी सरकारी सुविधाएं वापस लेने का आदेश दिया गया है। शाह को दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री का दर्जा हासिल है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल डीडीसीडी के अध्यक्ष हैं और जास्मिन शाह को उपाध्यक्ष हैं। शाह संवैधानिक पद पर रहते हुए पार्टी प्रवक्ता के रूप

में न्यूज चैनल पर जाते रहे थे। एलजी ने इसको लेकर उन्हें नोटिस जारी किया था। अब एलजी वीके सक्सेना के निर्देश पर योजना विभाग ने आदेश जारी कर दिया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। गुरुवार रात साढ़े दस बजे शामनाथ मार्ग में डीडीसीडी के दफ्तर में उनके चैंबर को भी सील कर दिया गया है। योजना विभाग की ओर से 17 नवंबर को जारी हुए आदेश में कहा गया है कि एलजी की ओर से जास्मिन शाह के डीडीसीडी के उपाध्यक्ष के रूप में काम करने से रोकने का आदेश जारी किया गया है। दफ्तर से जुड़ी सुविधाओं के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई गई है। इसमें डीडीसीडी के दफ्तर में उपाध्यक्ष के चैंबर को सील करने और शाह को मिले वाहन/स्टाफ को तुरंत वापस लिए जाने का भी आदेश दिया गया है। एलजी के ताजा आदेश के बाद एक बार फिर राजभवन और दिल्ली सरकार के बीच तनातनी बढ़ सकती है। आबकारी नीति में सीबीआई जांच के आदेश के बाद से ही दोनों पक्षों में खटास आ गई थी। आप के कई नेताओं ने पलटवार करते हुए एलजी पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगा दिए थे। एलजी वीके सक्सेना ने ऐसा करने वाले कई नेताओं को मानहानि का नोटिस भेज चुके हैं।

अमेजॉन के कर्मचारियों को राहत नहीं, अगले साल भी जारी रहेगी नौकरियों में छंटनी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी कंपनी अमेजॉन अगले साल भी नौकरियों में छंटनी जारी रखेगी। अमेजॉन.कॉम.इंक. के चीफ एक्जिक्यूटिव एंडी जेसी ने शुक्रवार को बयान जारी करके यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, पूरी कंपनी के लीडर्स अपनी टीम के साथ काम कर रहे हैं और अपने वर्कफोर्स लेवल व इंवेस्टमेंट पर नजर बनाए हुए हैं। भविष्य के हिसाब से यह तय किया जा रहा है कि कस्टमर्स के लिए क्या ज्यादा जरूरी है और लॉन्ग टर्म को ध्यान में रखते हुए हमारे बिजनेस के लिए क्या अच्छा होगा। जेसी ने कहा कि इस साल का रिव्यू काफी मुश्किल है क्योंकि इकोनॉमी अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। हमने पिछले कुछ सालों में तेज गति से भर्तियां की हैं। उन्होंने कहा, हमारी सालाना प्लानिंग प्रक्रिया अगले साल भी जारी रहेगी। इसका मतलब है कि भूमिकाएं अभी और कम की जाएंगी और लीडर्स को एडजस्टमेंट करना होगा। इससे पहले यह खबर आई थी कि अमेजॉन कुल 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है। इसे लेकर पूछ गए सवाल पर जेसी ने कहा कि अभी तक हमने किसी ठीक संख्या का आंकलन नहीं किया है। हालांकि जब भी हमारे पास इसकी डिटेल होगी उसे सभी कर्मचारियों तक पहुंचा दिया जा जाएगा।

कॉरपोरेट कार्यबल में बड़े पैमाने पर छंटनी

आर्थिक माहौल को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अमेजॉन ने अपने कार्यबल में बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू कर दी है। कंपनी ने बीते मंगलवार को कैलिफोर्निया में अपने क्षेत्रीय अधिकारियों को सूचित किया कि विभिन्न केंद्रों से करीब 260 लोगों को निकाला जाएगा। जिन केंद्रों से छंटनी की जाने वाली है वहां पर डेटा सांइटिस्ट, सॉफ्टवेयर इंजीनियर व अन्य कॉरपोरेट कर्मचारी काम करते हैं। छंटनी का यह कदम 17 जनवरी से प्रभाव में आएगा।

उप्र में जबरन धर्मांतरण पर मुख्यमंत्री सख्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में जबरन धर्मांतरण पर बेहद सख्त हैं। प्रदेश में अब तक 291 मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 507 से ज्यादा आरोपितों की गिरफ्तारीहुई है। यह योगी सरकार की अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का ही परिणाम है। इनमें से 150 मामलों में पीड़िताओं ने कोर्ट के सामने जबरदस्ती धर्म बदलवाने की बात कबूली है। नाबालिग लड़कियों के धर्मांतरण के मामले में अब तक 59 मामले दर्ज किए गए हैं। बरेली जिला में अब तक धर्मांतरण के सबसे अधिक मामले दर्ज हुए हैं। प्रदेश में दिव्यांग बच्चों का धर्मांतरण कराने वाले रैकेट का भी खुलासा हो चुका है। प्रदेश में 27 नवंबर, 2020 को गैरकानूनी धार्मिक रूपांतरण निषेध कानून लागू किया गया था। इस कानून के तहत दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को अपराध की गंभीरता के आधार

पर 10 साल तक की जेल का प्रावधान है। कानून में जुर्माने की राशि 15 हजार से 50 हजार रुपये तक है। अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले जोड़ों को शादी करने से दो महीने पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होता है। ऐसा नहीं करने पर जबरन धर्मांतरण माना जाता है। जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर न्यूनतम 15 हजार रुपये के जुर्माने के साथ एक से पांच साल की कैद का प्रावधान है। एससी-एसटी समुदाय की नाबालिग लड़कियों और महिलाओं के धर्मांतरण पर तीन से 10 साल की सजा का प्रावधान है। इस कानून में जबरन सामूहिक धर्मांतरण के लिए जेल की सजा तीन से 10 साल और जुर्माना 50 हजार रुपये का प्रावधान है। कानून के मुताबिक अगर विवाह का एकमात्र उद्देश्य महिला का धर्म परिवर्तन कराना था, तो ऐसी शादियों को अवैध करार दिए जाने की भी योगी सरकार ने इस नए कानून में व्यवस्था दी है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि योगी सरकार की सख्ती की वजह से ही उत्तर प्रदेश में ऐसे अपराध करने से पहले अपराधियों को सौ बार सोचना पड़ रहा है।

जजों की कमी से जूझ रहे कोर्ट

नई दिल्ली। हाल में सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के अनुसार, देश के उच्च न्यायालयों में 30 प्रतिशत और सुप्रीम कोर्ट में 21 प्रतिशत जजों की कमी है। भारत के 28 में से दो उच्च न्यायालयों को छोड़कर सभी में 12 से 46 प्रतिशत पद रिक्त हैं। राजस्थान और गुजरात के हाई कोर्ट में 46 प्रतिशत जज कम हैं। उत्तराखंड उच्च न्यायालय में 36 प्रतिशत, प्रयागराज में 38 प्रतिशत, हिमाचल में 35 प्रतिशत पद रिक्त चल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में कुल स्वीकृत जजों की संख्या 34 में से 27 कार्यरत हैं। मतलब देश के सर्वोच्च न्यायालय में सात जजों के पद रिक्त हैं।

कोर्ट में केस लंबित रहने की प्रमुख वजह जजों की कमी

देश के उच्च न्यायालयों में कुल 1,108 जजों के पद स्वीकृत हैं, जबकि कुल 773 पदों पर ही जज कार्यरत हैं और 30 प्रतिशत यानी 335 पद रिक्त हैं। देश के सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों में बड़ी संख्या में मुकदमों के लंबित रहने का एक मुख्य कारण बड़ी संख्या में जजों के पद रिक्त होना भी है। हमारे देश की अदालतों में त्वरित न्याय मिल पाना दिनोंदिन कठिन

होता जा रहा है। देर से किया गया न्याय अन्याय ही है। देश में इसी लचर न्यायिक व्यवस्था के कारण अपराधों का ग्राफ एवं अपराधियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। साथ ही न्याय के इंतजार में बैठे लोगों में असंतोष भी घर कर रहा है। समय पर न्याय नहीं मिलने के कारण निरपराधी को भी समाज में अपराधी होने का दंश झेलना पड़ता है।

अमेरिका और कनाडा देशों से बेहद पीछे है भारत

देश में आबादी के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या पर्याप्त नहीं है। जहां अमेरिका में 10 लाख की आबादी पर 135 न्यायाधीश हैं, कनाडा में 75, आस्ट्रेलिया में 57 और ब्रिटेन में 50 न्यायाधीश हैं, वहीं भारत में इनकी संख्या महज 13 है। मुकदमों की बढ़ती संख्या के आधार पर अनुमान है कि आगामी 10 वर्षों में देश में 10 लाख जजों की जरूरत होगी। आबादी के ताजा आंकड़ों के हिसाब से 139 करोड़ भारतीयों के लिए हमें देश में 65 हजार अधीनस्थ न्यायालयों की आवश्यकता है, लेकिन वर्तमान में 15 हजार न्यायालय भी नहीं हैं।

अदालतों के आधारभूत ढांचे में भी कई कमियां...!

यही नहीं, अदालतों के आधारभूत ढांचे की भी बात की जाए तो उसमें भी कई कमियां नजर आती हैं। कंप्यूटरीकरण एवं डिजिटलीकरण के आधुनिक युग में आज भी भारतीय न्यायालय बीते जमाने के ढर्रे पर चल रहे हैं। अदालतों के कंप्यूटरीकरण की रफ्तार बिल्कुल सुस्त पड़ी हुई है। नई अदालतें बनाने का काम भी बहुत धीमी रफ्तार से चल रहा है। हमें न्यायिक व्यवस्था में सुधारवादी कदम उठाने होंगे, जिससे आम जनमानस में सुरक्षा और स्वाभिमान की भावना प्रबल हो सके। ग्राम सभा स्तर पर ही यदि आपसी सुलह-समझौते के मामलों का निपटारा किया जाए तो छोटे-मोटे विवादों के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ठीक वैसे ही जैसे जंगल में अवैध कटान के सबूत मिटाने के लिये आग लगाने की घटनाएं प्रकाश में आती रही हैं। इस शक की वजह यह भी रही है कि गेहूं की ढुलाई में जिन वाहनों के नंबर दिये गये थे, वे दुपहिया या फिर जाली नंबर वाले निकले। विडंबना देखिये कि एक ओर कुछ लोग दो जून की रोटी नहीं जुटा पाते, वहीं खुले आसमान के तले लाखों टन अनाज बारिश में भीगने के लिये छोड़ दिया जाता है।

अक्षम्य अपराध

गेहूं की बर्बादी की जवाबदेही तय हो/ देश के प्रयासों व किसानों के पसीने से आई हरित क्रांति के चलते प्रचुर मात्रा में खाद्यान्न उत्पादन के बावजूद देश में कुपोषण और भुखमरी का विश्व सूचकांक ऊंचा रहता है तो उसके मूल में कुव्यवस्था व भ्रष्टाचार भी शुमार रहा है। हरियाणा में खुले में रखा करीब 83 करोड़ मूल्य का 45 हजार मीट्रिक टन गेहूं यदि खराब हुआ तो कहीं न कहीं इसके मूल में भ्रष्टाचार व गैरजिम्मेदारी भी निहित है। विडंबना ही है हरियाणा के कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र तथा फतेहाबाद आदि में खुले में रखे अनाज का बर्बाद हो जाना जो मामले की गंभीर जांच की जरूरत बताता है। कहा जा रहा है कि इस बर्बादी के मूल में भ्रष्टाचार भी एक कारण रहा होगा। ठीक वैसे ही जैसे जंगल में अवैध कटान के सबूत मिटाने के लिये आग लगाने की घटनाएं प्रकाश में आती रही हैं। इस शक की वजह यह भी रही है कि गेहूं की ढुलाई में जिन वाहनों के नंबर दिये गये थे, वे दुपहिया या फिर जाली नंबर वाले निकले। विडंबना देखिये कि एक ओर कुछ लोग दो जून की रोटी नहीं जुटा पाते, वहीं खुले आसमान के तले लाखों टन अनाज बारिश में भीगने के लिये छोड़ दिया जाता है। निस्संदेह, यह एक आपराधिक लापरवाही है और इसकी जवाबदेही तय की जानी जरूरी है। बेहद दुखद ही है कि लाखों लोगों के पेट भरने के लिये जुटाई गई फसल खरीद, सुरक्षा और वितरण के लिये जवाबदेह एजेंसियों की काहिली के चलते बर्बाद हो गई। मामले में हरियाणा के खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग की जांच एक ऐसी व्यवस्था की ओर इशारा करती है, जिसमें निहित स्वार्थों के लिये अधिकारी विवेकहीन व्यवहार करते हैं, वहीं कुछ अधिकारियों के लालच की भी भूमिका होती है। तभी तो कहा जाता है कि लालच व्यक्ति के विवेक को निगल जाता है। अन्यथा किसान के खून-पसीने से उगाया और आयकर दाताओं के पैसे से खरीदा गया अनाज खुले आसमान तले यूं ही बर्बाद होने के लिये नहीं छोड़ दिया जाता। निस्संदेह, इस अनाज के सड़ने के मूल में गंभीर आपराधिक लापरवाही निहित है। अधिकारी अपने निजी सामान की अच्छे से देखभाल करते हैं, लेकिन सरकारी अनाज को यूं ही बर्बाद होने के लिये छोड़ देते हैं। मामले के प्रकाश में आने के बाद जवाबदेही से मुक्त होने की दलीलें देने तथा खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के माथे दोष मढ़ने का सिलसिला शुरू हो गया। दरअसल, वर्ष 2018 में खराब मौसम यानी बारिश में भीग जाने के बाद हजारों बोरी गेहूं को सड़ने दिया गया। बाद में जांच-पड़ताल होने पर इसमें से सुरक्षित गेहूं का अंश अलग कर दिया गया जो बाद में नीलामी में बिक्री योग्य पाया गया। शेष अनाज को सड़ा हुआ घोषित कर दिया गया। बाद में खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के पांच अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया। जिन पर इस नुकसान की जवाबदेही तय करने की बात कही जा रही है। जैसा कि अक्सर होता आया है इस मामले के खुलासे के बाद आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला शुरू हो गया है। हर कोई जवाबदेही से मुक्त होने का प्रयास करते हुए खुद को पाक-साफ बताने की कोशिश में है। आरोप लगाये जा रहे हैं कि भारतीय खाद्य निगम इसके लिये दोषी है क्योंकि समय रहते अनाज को उठाया नहीं गया। वहीं फर्जी बिलों के मामले उजागर होने से इसमें भ्रष्टाचार की गंध भी आ रही है। जिसकी वजह यह है कि बड़ी मात्रा में गेहूं की ढुलाई के लिये ट्रक के इस्तेमाल के बजाय दोपहिया वाहनों के प्रयोग की बात सामने आई है। बहुत संभव है इसके पीछे कोई रैकेट काम कर रहा हो। जो कुछ अधिकारियों की मिलीभगत और व्यवस्था के छेदों का फायदा उठाकर वारे-न्यारे करने में लगा हो। जिन्हें राजनीतिक वरदहस्त मिलने से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

सूक्ति

जबतक कष्ट सहने की तैयारी नहीं होती तब तक लाभ दिखाई नहीं देता। लाभ की इमारत कष्ट की धूप में ही बनती है। - विनोबा भावे

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुज़र कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है। - रामधारी सिंह दिनकर

लॉफिंग ज़ोन

एक महाशय होटल में बैठे नाश्ता कर रहे थे. उसी समय एक अन्य सज्जन आए और नमस्कार करके उनके सामने वाली कुर्सी पर बैठ गए. पहले सज्जन को बड़ी हैरत हुई. बोले,'क्यों साहब क्या आप मुझे पहचानते हैं?'

'नहीं साहब आपको नहीं लेकिन आपके छाते को जरूर पहचानता हूं क्योंकि पिछले साल यह मेरा था .' दूसरे सज्जन बोले.

☺ ☺ ☺

टीचर(सौरभ से),'बोलो सौरभ तुम बड़े होकर क्या करोगे?'

सौरभ,'जी मैं बड़ा होकर चांर पर जाऊंगा.'

टीचर,'लेकिन तब तक तो चांद पर रूस और अमरीका के बहुत से लोग पहुंच चुके होंगे.'

सौरभ,'तो मैं सूरज पर जाऊंगा.'

टीचर,'पर वहां तो बेहद गर्मी होगी.'

सौरभ,'कोई चिंता नहीं, मैं वहां सर्दियों में जाऊंगा.'

☺ ☺ ☺

एक अभिनेता से उसके मित्र ने पूछा,'इतनी गर्मी में कार की खिड़कियों के पर्दे और शीशे क्यों चढ़ा रखें हैं?'

'अगर पर्दे और शीशे गिरा दिए तो लोग क्या कहेंगे कि इतने बड़े स्टार के पास 'एयर कंडीशंड गाड़ी भी नहीं.''

☺ ☺ ☺

समाज के लिए आदर्श नायिका हैं वीरांगना लक्ष्मीबाई

आज हम जिस चमक दमक में नायकत्व को देखने का प्रयास करते हैं, वे वास्तव में भारत के नायक हैं ही नहीं। इसे सुनियोजित तरीके से भारत में इस रूप में प्रचारित किया गया है और इसी कारण समाज का बहुत बड़ा वर्ग भ्रम में जी रहा है। यह वास्तविकता ही है कि जो भी देश से प्यार करता है, उसे कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से डिगा नहीं सकता।

(लेखक - डॉ. वंदना सेन/ जयंती पर विशेष...)

भारत भूमि पर अंग्रेजों से लोहा लेने के लिए अनेक वीर अग्रणी भूमिका में रहे हैं। लेकिन देश को स्वतंत्र कराने में मातृशक्ति का योगदान किसी प्रकार से कम नहीं कहा जा सकता है। जिन नारियों ने भारत को स्वतंत्र कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई आज पूरा देश उन्हें वीरांगना के नाम से स्वीकार करता है। वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मनोमस्तिष्क में स्वाभाविक रूप से रानी लक्ष्मीबाई की छवि उभरती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वर्तमान युग में जहां हर कोई अपने आप तक केन्द्रित होता जा रहा है, उनके लिए वीरांगना लक्ष्मीबाई का जीवन एक ऐसा उदाहरण है, जो राष्ट्रीय भावना को संचारित करने में एक आदर्श है। भारतीय नारी शक्ति को इस बात का अवश्य ही विचार करना चाहिए कि हमारे नायक कौन होने चाहिए? क्योंकि श्रेष्ठ नायक और नायिकाओं के माध्यम से ही श्रेष्ठ जीवन बनता है। आज हम जिस चमक दमक में नायकत्व को देखने का प्रयास करते हैं, वे वास्तव में भारत के नायक हैं ही नहीं। इसे सुनियोजित तरीके से भारत में इस रूप में प्रचारित किया गया है और इसी कारण समाज का बहुत बड़ा वर्ग भ्रम में जी रहा है। यह वास्तविकता ही है कि जो भी देश से प्यार करता है, उसे कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से डिगा नहीं सकता। ऐसे ही महान व्यक्ति भविष्य में समाज के नायक के रूप में स्थापित होते हैं। वास्तव में नायक वही होता है, जो अपने कर्मों से सही राह पर चलने की प्रेरणा दे सके। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था, यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म भाव को प्रदर्शित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोपड़ी को चिता का रूप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की। जिन महापुरुषों और महान नायिकाओं का हृदय वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं। सन् 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। 27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं। उन्होंने नाना साहब और उनके योग्य सेनापति तात्या टोपे से संपर्क स्थापित किया और विचार-विमर्श किया। रानी की वीरता और साहस का लोहा अंग्रेज मान गए, लेकिन उन्होंने रानी का पीछा किया। कालपी में महारानी और तात्या टोपे ने योजना बनाई और अंत में नाना साहब, शाहगढ़ के राजा, बानपुर के राजा मर्दन सिंह आदि सभी ने रानी का साथ दिया। रानी ने ग्वालियर पर आक्रमण किया और वहां के किले पर अधिकार कर लिया। विजयोल्लास का उत्सव कई दिनों तक चलता रहा, लेकिन रानी इसके विरुद्ध थीं। यह समय विजय के उल्लास का नहीं था, अपनी शक्ति को संगठित कर अगला कदम बढ़ाने का था। इधर जनरल स्मिथ और मेजर रूल्स अपनी सेना के साथ संपूर्ण शक्ति से रानी का पीछा करते रहे और आखिरकार वह दिन भी आ गया जब उसने घमासान युद्ध करके ग्वालियर का किला अपने कब्जे में ले लिया। रानी लक्ष्मीबाई इस युद्ध में भी अपनी कुशलता का परिचय देती रहीं। 18 जून 1858 को ग्वालियर का अंतिम युद्ध हुआ और रानी ने अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया। वे घायल हो गईं और अंतत- उन्होंने वीरगति प्राप्त की। रानी लक्ष्मीबाई ने स्वातंत्र्य युद्ध में अपने जीवन की आहुति देकर जनता जनार्दन को चेतना प्रदान की और राष्ट्रीय रक्षा के लिए बलिदान का संदेश दिया। रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान उस समाज के लिए भी एक प्रेरणा है जो देश के विरोध में नए नए षड्यंत्र करते हैं। क्योंकि विचार करने वाली यह है कि देश को स्वतंत्र कराने के लिए जिन योद्धाओं ने अंग्रेजों से मुकाबला किया, वह उनके स्वयं के लिए नहीं था, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय समाज के लिए ही था। आज हम स्वतंत्र भारत में जी रहे हैं तो इसमें इन क्रांतिकारियों का अविस्मरणीय योगदान है। भारत की भावी पीढ़ी को ऐसे नायकों से प्रेरणा लेकर जितना भी बन सके, राष्ट्र के लिए योगदान देना ही चाहिए।

(लेखिका पीजीव्ही महाविद्यालय ग्वालियर में हिन्दी की विभागाध्यक्ष हैं)

लापरवाह पुलिस और न्यायिक विसंगति

योगेन्द्र योगी

महिला सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण, समानता और न्याय जैसे सारे भारी-भरकम शब्द उस वक्त हवा में उड़ गए जब दिल्ली के छावला इलाके में 19 साल की उत्तराखंड की एक लड़की से गैंगरेप और हत्या करने के मामले में शीर्ष अदालत ने तीनों दोषियों को बरी कर दिया। पुलिस की लापरवाही के चलते 19 साल की लड़की के साथ हैवानियत के मामले में हाईकोर्ट से सजा पाये दोषी बरी हो गए। यह देश के लोगों के लिए बेचैन करने वाला मामला है। दोषियों को दिल्ली हाईकोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी, जिसको पलटते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दोषियों की रिहाई का आदेश दे दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अदालतें सबूतों पर चलकर फैसले लेती हैं न कि भावनाओं में बहकर। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरोपियों को अपनी बात कहने का पूरा मौका नहीं मिला। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला देश में पुलिस की व्यवस्थागत खामियां उजागर करने के साथ ही न्यायिक प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करता है। इस प्रकरण में कुल 49 गवाहों में दस का क्रास एग्जामिनेशन नहीं कराया गया। आरोपियों की पहचान के लिए भी कोई परेड नहीं कराई गई। निचली अदालत ने भी प्रक्रिया का पालन नहीं किया। जबकि निचली अदालत, अपने विवेक से भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 165 के तहत सच्चाई की तह तक पहुंचने के लिए आवश्यक कार्यवाही कर सकती थी। होना तो यह चाहिए था कि इस प्रकरण में लापरवाह पुलिसकर्मी और अन्य अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी, ताकि भविष्य में ऐसे जघन्य अपराधों के मामलों में पीड़िताओं को न्याय मिल सके और न्यायतंत्र में आस्था मजबूत हो सके। मानवता को शर्मसार करने वाली यह जघन्य वारदात दिल्ली में ही निर्भया मामले से कुछ माह पहले हुई थी। निर्भयाकांड ने देश को झकझोर कर रख दिया था। इस कांड के बाद देश में ऐसा जनाक्रोश उपजा कि इसने सरकार को कानून में बड़े बदलाव करने पर मजबूर कर दिया। वर्ष 2013-14 में हुए कानूनी संशोधनों के बावजूद देश में महिलाओं के साथ होने वाले जघन्य अपराधों में कमी नहीं आई। 20 मार्च, 2020 को निर्भया कांड में दोषी करार दिए गए विनय कुमार शर्मा, मुकेश कुमार, पवन गुप्ता और अक्षय कुमार को फांसी पर लटका दिया गया। निर्भया के दोषियों को सजा मिलने के बाद भी रेप के जघन्य अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। लगातार आए दिन ऐसी घटनाएं सुनने को मिल रही हैं। निर्भया कांड सुर्खियों में इस तरह आया कि रेप से जुड़े कानून सख्त हुए, रेप मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्टट्रैक कोर्ट बने और कड़ी सज़ा के प्रावधान हुए। दिसंबर, 2012 में निर्भया कांड हुआ। इस घटना के बाद आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 पारित किया गया। इसके बाद तीन फरवरी, 2013 को क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट ऑर्डिनेंस आया, जिसके तहत आईपीसी की धारा 181 और 182 में बदलाव किए गए। इसमें बलात्कार से जुड़े नियमों को कड़ा किया गया। रेप करने वाले को फांसी की सजा भी मिल सके, ऐसा प्रावधान किया गया। निर्भया कांड में शामिल नाबालिग को सजा देने के लिए भी देशभर में आवाज उठी। इसी के चलते 22 दिसंबर, 2015 में राज्यसभा में जुवेनाइल जस्टिस बिल भी पास हुआ। इस एक्ट में प्रावधान किया गया कि 16 साल या उससे अधिक उम्र के किशोर को जघन्य अपराध करने पर कोई छूट न दी जाए, बल्कि उसे वयस्क मानकर मुकदमा चलाया जाए। अब तक ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें दुष्कर्म के किशोर आरोपी कम उम्र का हवाला देकर सजा से बचने की कोशिश करते रहे हैं। इस बिल के तहत ऐसा माना गया है कि कोई 16 साल का किशोर भले ही वयस्क नहीं हो, लेकिन अगर उसने दुष्कर्म जैसा जघन्य अपराध किया है तो उसे वयस्क माना जाएगा और सजा सुनाई जाएगी। निर्भया कांड और उसके बाद हुई बलात्कार की कई घटनाओं ने ही कई राज्यों को कड़े कानून बनाने की जरूरत महसूस कराई है। इन कानूनों के जरिए रेप की परिभाषा बदल गई। इनके जरिए भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और आपराधिक प्रक्रिया संहिता के कई प्रावधानों में संशोधन किया गया। इस संशोधन के माध्यम से, कई नए अपराधों को शामिल किया गया। महिला को गलत तरीके से छूना, छेड़छाड़ करना इन सबको गंभीर मानते हुए सख्त सजा का प्रावधान किया गया। पुलिस की लापरवाही या मिलीभगत और न्यायिक प्रक्रिया की गंभीर विसंगतियों से पूर्व में भी बलात्कार और हत्या के आरोपी अदालतों से छूटते रहे हैं। पिछले दिसंबर में बॉम्बे हाईकोर्ट ने हत्या और बलात्कार के आरोप में निचली अदालत से फांसी की सजा प्राप्त एक आरोपी को बरी कर दिया था। इसी तरह मई माह में बॉम्बे हाईकोर्ट ने ही दोहरे हत्याकांड में फांसी की सजा प्राप्त एक अभियुक्त को बरी कर दिया था। इस मामले में गवाहों की गवाही सही मानी गई। विडंबना कहिए कि

जघन्य अपराधों से जुड़े ऐसे संवेदनशील मामलों में अंतिम न्याय होने में सालों लग जाते हैं। न्याय मिलने में इतनी देरी पीड़ित परिवारों से अन्याय से कम नहीं है। लंबी और बोझिल न्यायिक प्रक्रिया के दौरान सालों गंवाने वाले पीड़ित परिवारों की वेदना असीम है। उनका यह खोया हुआ वक्त वापस नहीं आ सकता। ऐसे गंभीर अपराधों में अभियुक्त छूटने के बाद फिर से जांच कराकर सबूत और गवाह जुटाना आसान नहीं है। यह अदालत, पुलिस और वकीलों की जिम्मेदारी है कि वारदात में मिले परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को सजा मिले।

(चिंतन-मनन)

समता की अनुभूति

भगवान बुद्ध जेतवन में ठहरे हुए थे। हर सुबह वह भिक्षावृत्ति को निकलते तो उन्हें मार्ग में एक किसान अपने खेत में काम करता मिलता। अपने कार्य के प्रति उसकी निष्ठा देख बुद्ध के मन में उसके लिए करुणा उमड़ी। वह प्रतिदिन वहां रुककर उस किसान को कुछ उपदेश देने लगे। जब उस किसान की फसल तैयार हुई तो उसने संकल्प किया कि वह अपनी फसल का एक हिस्सा भगवान बुद्ध को और भिक्षु संघ को भेंट करेगा। दुर्योगवश उसी रात मूसलाधार वर्षा हुई और उसकी सारी फसल चौपट हो गई। अगले दिन जब भगवान बुद्ध वहां से गुजरे तो उन्होंने किसान को वहां रोता हुआ पाया। पूछने पर किसान उनको सारी घटना सुना कर बोला, ''प्रभु! मुझे दुख अपने नुक्सान का नहीं, वरन इस बात का है कि मैं आपकी सेवा का यह अवसर चूक गया'' बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'भंते! मूल्य वस्तुओं का नहीं, भावनाओं का होता है। तुम्हारे हृदय में उमड़ी भावनाएं तो मुझ तक कल ही पहुंच गई थीं। इनके कारण तुम उससे ज्यादा पुण्य के भागी बन गए हो, जितना तुम उस फसल को समर्पित करके बनते। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है'' किसान की आंखें यह सुनकर नम हो उठीं।

''प्रभु! मुझे दुख अपने नुक्सान का नहीं, वरन इस बात का है कि मैं आपकी सेवा का यह अवसर चूक गया'' बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'भंते! मूल्य वस्तुओं का नहीं, भावनाओं का होता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही वाहन और वित्त और कई दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से आई हैं। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 87.12 अंक करीब 0.14 फीसदी नीचे आकर 61,663.48 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.25 अंक तकरीबन 0.20 फीसदी टूटकर 18,307.65 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की,

चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ के साथ ही उछला।

इसके अलावा यूरोपीय बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में सकारात्मक माहौर रहा हालांकि अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट रही। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.40 फीसदी उछाल के सा ही 90.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

रुपया गिरावट के साथ 81.70 पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे फिसलकर 81.70 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने और ताजा विदेशी निवेश बढ़ने से रुपये में ये गिरावट आई। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया तेजी के साथ ही 81.59 पर खुला। यह कारोबार के दौरान 81.52 के दिन के उच्चस्तर और 81.78 के निचले स्तर तक पहुंचने के बाद अंत में छह पैसे की गिरावट के साथ 81.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया इससे पहले गत दिवस भी गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं इसी बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की कमजोरी को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 फीसदी नीचे आकर 106.39 पहुंच गया।

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीममों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 45 रुपये ऊपर आया जबकि चांदी की कीमतों में 316 रुपये की बढ़त आई है। वहीं सोना 45 रुपये की बढ़त के साथ 53,220 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में सोना 53,175 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जबकि चांदी 316 रुपये बढ़कर 61,732 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गयी थीं।

जियो ने नोएडा, गाजियाबाद, गुरूग्राम, फरीदबाद में 5जी सेवाएं शुरू की

मुंबई । रिलायंस जियो ने दिल्ली के बाद गुरुग्राम, नोएडा, गाजियबाद और फरीदाबाद में अपनी 5जी सेवाएं शुरू की है। जिओ ने शुक्रवार को दावा किया कि इन इलाकों में 5जी सेवाएं बहाल करने वाली वह पहली कंपनी है। जियो दिल्ली से पहले मुंबई, कोलकत्ता, वाराणसी, चेन्नई, हैदराबाद, बैंग्लुरु और नाथद्वारा में अपनी सेवाएं पहले ही शुरू कर चुकी है। इस सूची में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली सबसे नया है। कंपनी के नेटवर्क सिग्नल दिल्ली-एनसीआर के सभी महत्वपूर्ण इलाकों और क्षेत्रों में मिलने शुरु हो चुके हैं। ज्यादतर आवासीय क्षेत्रों, अस्पतालों, स्कूल, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, सरकारी इमारतों, मॉल, प्रमुख बाजारों, टेक पार्क और मेट्रो स्टेशनों पर जियो टू5जी नेटवर्क उपलब्ध होगा। दिल्ली में जियो के ग्राहक पहले ही जियो टू5जी सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। एनसीआर क्षेत्र में 5जी सेवाएं शुरू करने के बाद ग्राहकों को जियो 'वेलकम ऑफर' का आमंत्रण मिलना शुरु हो जाएगा।

सरकार ने सार्वजनिक बैंकों के सीईओ का अधिकतम कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तथा प्रबंध निदेशक (एमडी) का अधिकतम कार्यकाल बढ़ाकर 10 वर्ष कर दिया है। सरकार ने 17 नवंबर 2022 को अधिसूचना जारी की जिसमें बताया गया कि नियुक्ति की अवधि पहले के पांच वर्ष से बढ़ाकर अब दस वर्ष कर दी गई है। पहले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध या कार्यकारी निदेशक का कार्यकाल अधिकतम पांच वर्ष या 60 वर्ष की आयु पूरी होने तक ही था। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के पूर्णकालिक निदेशकों के लिए भी यही मापदंड होता था। अधिसूचना में कहा गया गया कि प्रबंध निदेशक समेत पूर्णकालिक निदेशक का आरंभिक कार्यकाल पांच वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए, इसमें विस्तार दिया जा सकता है लेकिन यह भी आरंभिक कार्यकाल को मिलाकर दस वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। सरकार के इस फैसले से बैंकों को ऐसी प्रतिभाओं को अपने साथ बनाए रखने में मदद मिलेगी जो 45-50 वर्ष की आयु में ही पूर्णकालिक निदेशक के पद पर पहुंच गए।

एयरटेल की पुणे हवाईअड्डे पर 5जी प्लस सेवा शुरू

पुणे । दूरसंचार सेवा देने वाली कंपनी भारती एयरटेल ने पुणे के लोहगाव हवाईअड्डे पर 5जी प्लस सेवा शुरू की है। अब यह 5जी सेवा देने वाला प्रदेश का पहला हवाईड्डा बन गया है। एयरटेल ने बताया कि पुणे के हवाईअड्डे पर यात्री उच्च गति की एयरटेल 5जी प्लस सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। 5जी सेवा यात्रियों को उनके मौजूदा डेटा प्लान पर ही मिल जाएगी। इसके अलावा सिम बदलने की भी जरूरत नहीं है क्योंकि एयरटेल की मौजूदा 4जी सिम 5जी सेवाओं के लिए भी सक्षम है। दूरसंचार कंपनी ने हाल में बेंगलुरु के नए एयरपोर्ट टर्मिनल पर 5जी सेवाएं देने की घोषणा की थी। एयरटेल की 5जी प्लस सेवाएं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, सिलीगुड़ी, नागपुर, वाराणसी, पानीपत और गुरुग्राम में मिल रही है।

रिलायंस जियो 4जी डाउनलोड और अपलोड स्पीड में बनी अव्वल

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अक्टूबर माह के लिए 4जी स्पीड टेस्ट के आंकड़े जारी कर दिए हैं जिसमें रिलायंस जियो औसत 4जी डाउनलोड स्पीड के साथ अपलोड स्पीड में भी नंबर वन बनी हुई है। ट्राई द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जियो की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड में 1.2 एमबीपीएस का उछाल देखने को मिला। अक्टूबर माह में स्पीड 20.3. एमबीपीएस मापी गई, जबकि सितंबर माह में यह 19.1 एमबीपीएस थी। औसत डाउनलोड स्पीड के मामले में एयरटेल और वीआई (वोडाफोन-आइडिया) के बीच टक्कर देखने को मिली। अक्टूबर माह में एयरटेल की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड 15 एमबीपीएस तो वीआई (वोडाफोन-आइडिया) की 14.5 एमबीपीएस रही। दोनों कंपनियों ने पिछले माह से अपनी स्पीड में कुछ सुधार किया है परंतु रिलायंस जियो की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड, एयरटेल और वीआई से 5 एमबीपीएस से भी ज्यादा है। रिलायंस जियो औसत 4जी अपलोड स्पीड में पिछले माह पहली बार नंबर वन पर पहुंची थी। कंपनी ने इस माह भी 6.2 एमबीपीएस स्पीड के साथ अपनी पोजीशन बरकरार रखी है। वीआई (वोडाफोन-आइडिया) 4.5 एमबीपीएस स्पीड के साथ दूसरे नंबर पर बनी हुई है। वहीं एयरटेल की अपलोड स्पीड में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। एयरटेल की औसत 4जी अपलोड स्पीड 2.7 एमबीपीएस के स्तर पर आ गई।

वनप्लस 11 सीरीज़ जल्द होगी पेश

-मिलेगी 45 डब्ल्यू की फास्ट चार्जिंग

नई दिल्ली ।

वनप्लस कंपनी जल्द वनप्लस 11 सीरीज़ की पेश करेगी। टिप्सटर जैब्बोर ने खुलासा किया है कि वनप्लस अपने पहले एंड्रॉयड टैबलेट को अगले साल तक पेश कर सकती है। इस सीरीज़ में वनप्लस 11 और वनप्लस 11 प्रो होने होगा। 11 सीरीज़ और नॉर्ड के अलावा ये भी पता चला है कि कंपनी नए टैब वनप्लस पेड पर भी काम कर रही है। ऐसा पहली बार नहीं है जब वनप्लस पैड की डिटेल सामने आई है। कुछ रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि नए टैब को साल के पहले 6 महीने में ही पेश कर दिया जाएगा। कहा जा रहा है कि वनप्लस पैड की सीधी टक्कर भारत में मौजूद रेडमी पैड, शियोमी पैड ,और कई किफायती एंड्रॉयड टैबलेट से होगी। रिपोर्ट की मानें तो इस पैड की कीमत 20,000 रुपये से भी कमहोगी। फिलहाल कंपनी ने इस पैड को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन अफवाहों में इसकी कई डिटेल सामने आई है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 12.4 इंच का एचडी+ ओलेड डिस्प्ले है, और ये एंड्रॉयड 12रु आउट ऑफ द बॉक्स पर काम कर सकता है। हार्डवेयर के तौर पर इस पैड में ऑक्टा-कोर क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 865 चिपसेट

के साथ आएगा, जो कि 6जीबी रैम से लैस होगा। कैमरे के तौर पर इस टैप में डुअल रियर कैमरा सेचअप दिया जाएगा, जो कि 13 मेगापिक्सल के प्राइमेरी कैमरा और 5 मेगापिक्सल के सेकेंडरी कैमरे के साथ आएगा। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग पैड के फ्रंट में 8 मेगापिक्सल मिलेगा।

कहा जा रहा है कि ये 10,090 एमएएच बैटरी के साथ आएगा, जो कि 45 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग पेश किया जा सकता है। मालूम हो कि इससे पहले भी कई बार इसे लेकर जानकारियां मिली है।नई रिपोर्ट से पता चला है कि वनप्लस पैड को अलगे साल लॉन्च किया जाएगा। हालांकि इसकी कोई टाइमलाइन सामने नहीं आई है, और न ही कंपनी ने इसकी डिटेल शेयर की है।

इस साल अडानी और अंबानी कमाई के मामले में नंबर वन

- अडानी की नेटवर्थ 56.4 अरब डॉलर और अंबानी की नेटवर्थ 10.4 करोड़ डॉलर बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत और एशिया के सबसे ज्यादा अमीर कारोबो रियों में शो मिल गौतम अडानी इस साल कमाई के मामले में नंवर वन पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इस साल उनकी कमाई तेजी के साथ बढ़ी है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ इस साल 56.4 अरब डॉलर बढ़ी है और वह कुल 133 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं। दिलचस्प बात है कि इस दुनिया को प्रमुख 10 अमीरों में केवल अडानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में ही इजाफा हुआ है। बाकी सभी की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। इस साल सबसे ज्यादा दौलत गंवाने के मामले में एलन मस्क पहले नंबर पर हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ की नेटवर्थ में इस साल अब तक 89.7 अरब डॉलर की गिरावट आ चुकी है। पिछले साल नवंबर की शुरुआत में उनकी नेटवर्थ 335 अरब डॉलर पहुंच गई थी लेकिन इसके बाद से इसमें भारी गिरावट आई है। इस सूची में अगला नाम मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग का है जिनकी नेटवर्थ में 82.9 अरब डॉलर की कमी आई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में इस साल 74.3 अरब डॉलर की गिरावट आई है। मस्क 181 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में पहले नंबर पर बने हुए हैं। फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट 157 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 20.6 अरब डॉलर पर है। बेजोस की नेटवर्थ 118 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की सूची में चौथे नंबर पर हैं। बिल गेट्स की नेटवर्थ में 25.3 अरब डॉलर, वॉरेन

बफेट की नेटवर्थ में 1.61 अरब डॉलर, लैरी एलिसन की नेटवर्थ में 14.3 अरब डॉलर, लैरी पेज की नेटवर्थ में 37.6 अरब डॉलर और सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ में 36.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दूसरी ओर मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 10.4 करोड़ डॉलर बढ़ी है। वह 90.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की सूची में नौवें नंबर पर हैं। कभी तीसरे नंबर पर काबिज जकरबर्ग अब 42.5 अरब डॉलर के साथ 27वें नंबर पर खिसक गए हैं।

एसआईए और टाटा ग्रुप अपनी साझेदारी और मजबूत करेंगे

नई दिल्ली । सिंगापुर एयरलाइंस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि टाटा और एसआईए के बीच बातचीत जारी है। एसआईए और टाटा ग्रुप अपनी साझेदारी को और मजबूत करने पर काम कर रहा है। इसके तहत एयर इंडिया और विस्तारा का विलय हो सकता है। टाटा ग्रुप अपने चार अलग-अलग विमान सेवा प्रदाता ब्रान्ड्स को एयर इंडिया लिमिटेड की छतरी के नीचे लाना चाहता है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा है विशाल टाटा ग्रुप अपने लड़खड़ाते विमानन कारोबार को फिर से मजबूती देने की कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार भारत का सबसे बड़ा समूह विस्तारा ब्रांड को खत्म करने पर भी विचार कर रहा है, जो भारत में सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड की स्थानीय इकाई है और टाटा ग्रुप की सहयोगी है। नाम ना सार्वजनिक करने की शर्त पर कहा गया है कि यह प्लान बहुत निजी है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों में से एक ने कहा है कि सिंगापुर एयरलाइंस संयुक्त इकाई में हिस्सेदारी के आकार का मूल्यांकन कर रही है। हालांकि टाटा ग्रुप, एयर इंडिया और विस्तारा के प्रतिनिधियों ने इस बारे में किए गए सवालों का अब तक कोई जवाब नहीं दिया है।

कर्मचारियों के सामूहिक इस्तीफे से मस्क हुए नरम

- अब कर्मचा रियों से वापस काम पर आने की कर रहे हैं अपील

सैन फ्रांसिस्को ।

ट्विटर में काम को लेकर एलन मस्क के रवैये से नाराज अब सैंकड़ों कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की खबर सामने आई है। ट्विटर 2.0 के निर्माण के लिए बोझिल कार्य संस्कृति और लंबे समय तक काम करने की मांग से ये कर्मचारी नाराज थे। इस बारे में एलन मस्क की ओर से आधी रात को भेजे ईमेल के बाद सैकड़ों कर्मचारियों ने कथित तौर पर इस्तीफा दे दिया है। हालांकि खबर है कि इन सामूहिक इस्तीफों के बाद एलन मस्क के तेवर में नरमी आई है और वे नाराज कर्मचारियों से वापस काम पर आने की अपील कर रहे हैं। इन कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा ऐसे समय में दिया है जब एलन मस्क पहले से ही कंपनी में कर्मचारियों की छंटनी और अन्य बदलावों को लेकर आलोचना का सामना कर रहे हैं. 44 अरब डॉलर की डील में ट्विटर को खरीदने के बाद मस्क सीनियर मैनेजमेंट समेत 3,700 पूर्व कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुके हैं। दरअसल बुधवार को एलन मस्क ने कंपनी के कर्मचारियों को देर रात एक ईमेल भेजा था, जिसमें बताया गया कि अगर वे कंपनी में काम करना चाहते हैं तो उन्हें तेजी के साथ कई घंटों तक काम करना होगा जो लोग ट्विटर पर बने रहना चाहते हैं, उनके पास निर्णय लेने के लिए एक दिन का समय था। अन्यथा उन्हें तीन महीने सैलरी मिलेगी और नौकरी से निकाल दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार एलन मस्क से मिले इस अल्टीमेटम की समय सीमा समाप्त होने के बाद सैकड़ों कर्मचारियों ने स्लैक पर विदाई संदेश पोस्ट करना शुरू कर दिया। कई लोगों ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर अपने इस्तीफे का ऐलान भी किया। एलन मस्क के

इस फरमान से कंपनी में कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी मची हुई है। हालांकि, बताया जा रहा है कि कर्मचारियों के इस्तीफे सामने आने के बाद एलन मस्क के तेवर में नरमी आई है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि मस्क ने उन कर्मचारियों को वापस बुलाने की कोशिश शुरू कर दी है जिन्हें छंटनी में निकाला गया था या खुद ट्विटर छोड़कर चले गए थे।

भारत ने इस साल 35 लाख टन चीनी निर्यात के लिए अनुबंध किए: इस्मा

नई दिल्ली ।

चीनी उद्योग के प्रमुख संगठन भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने कहा कि भारत ने चालू वर्ष 2022-23 में अब तक लगभग 35 लाख टन चीनी के निर्यात के लिए अनुबंध किए हैं। इसमें से 2,00,000 टन चीनी का पिछले महीने निर्यात किया गया है। पांच नवंबर को घोषित 2022-23 की चीनी निर्यात नीति में 31 मई तक कोटा के आधार पर 60 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी गई थी। घरेलू उत्पादन का आकलन करने के बाद निर्यात के लिए आगे की मात्रा के लिए अनुमति दी जाएगी। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर महीने तक चलता है। इस्मा के अनुसार बंदरगाह की जानकारी और बाजार की रिपोर्ट के अनुसार अब तक चीनी के निर्यात के लिए लगभग 35 लाख टन के अनुबंध किए जा चुके हैं।

इस्मा ने कहा कि इसमें से लगभग 2,00,000 टन चीनी का भौतिक रूप से अक्टूबर में देश के बाहर निर्यात किया गया है, जबकि

पिछले साल इसी महीने में लगभग 4,00,000 टन चीनी का निर्यात किया गया था। इस्मा ने कहा कि सरकार द्वारा निर्यात नीति की घोषणा से बहुत पहले कई व्यापारियों ने 2022-23 सत्र के लिए निर्यात अनुबंध कर लिए थे। तब से चीनी की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि का रुझान रहा है, जिसके परिणामस्वरूप चीनी मिलें निर्यात अनुबंध की कीमतों पर फिर से बात कर रही हैं।

पासपोर्ट-फ्री ट्रैवलिंग ऑनबोर्ड की सुविधा देने की तैयारी में ब्रिटिश एयरवेज

लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट टर्मिनल 5 पर चल रहा ट्रायल

लंदन ।

देश में एक ऐसी तकनीक पर काम हो रहा है, जिससे बिना पासपोर्ट का इस्तेमाल किए विदेश जाया जा सकता है। पासपोर्ट-फ्री ट्रैवलिंग ऑनबोर्ड के लिए एक एयरलाइन कंपनी स्मार्ट टेक्नोलॉजी का ट्रायल कर रही है। इस तकनीक पर ब्रिटिश एयरवेज काम कर रही है। इससे यूके के पैसेंजर्स पासपोर्ट-फ्री विदेश यात्रा कर सकते हैं।

ब्रिटिश एयरवेज इसके लिए बायोमैट्रिक तकनीक का ट्रायल लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट टर्मिनल 5 पर कर रही है। यूके के पैसेंजर्स अपने फेस, पासपोर्ट और बोर्डिंग पास को स्मार्टफोन या टैबलेट में स्कैन कर पाएंगे। केवल पहली बार फ्लाइट पर चढ़ने से पहले ये करना होगा। एयरलाइन कंपनी ने बताया है कि स्मार्टबायो-पोड कैमरे को ऊपर बताए गए एयरपोर्ट टर्मिनल पर इंस्टॉल कर दिया गया है।

इससे एयरपोर्ट पर आने वाले यात्री को 3 सेकंड्स से भी कम के समय में वेरिफाई किया जा सकता है। इससे यात्री को पासपोर्ट दिखाने की जरूरत नहीं होगी। यानी वहां पासपोर्ट को बैग में रखकर विदेश घूम सकते हैं और जरूरत पड़ने पर उस दिखा सकते हैं। कंपनी ने बताया कि यूके के पैसेंजर्स अपने बायोमैट्रिक डेटा को घर से ही रिकॉर्ड कर सकते हैं। इस डेटा का इस्तेमाल ब्रिटिश एयरवेज इंटरनेशनल फ्लाइट ट्रैविंलग के दौरान किया जा सकता है। कंपनी का दावा है कि इस स्मार्ट टेक्नोलॉजी से यूजर्स को इम्प्रूव्ड एयरपोर्ट अनुभव मिलेगा। इससे यात्री के फ्लाइट में बोर्ड होते समय लगने वाला समय भी कम होगा।

कंपनी ने बताया कि इससे कस्टमर कंप्लेक्स इंक्वायरी को भी स्टाफ आसानी से हैंडल कर सकते और बेस्ट पॉसिबल कस्टमर सर्विस यूजर को मिलेगी। ब्रिटिश एयरवेज का ये बायोमैट्रिक पासपोर्ट वेरिफिकेशन ट्रायल 6 महीने तक चलेगा। इसका फायदा फिलहाल लंदन से मैलेगा (स्पेन) जाने वाले यात्री उठा सकते हैं। कंपनी ने पैसेंजर की जानकारी को सिक्योरिली स्टोर रखने की बात की है।

नई टेक्नोलॉजी को यूज करने वाले कस्टमर्स फास्ट-ट्रैक सिक्योरिटी लेन और प्रायोरिटी बोर्डिंग एन्जॉय कर सकते हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तब कंपनी इसको दूसरी जगहों की फ्लाइट्स के लिए भी जारी कर सकती है। र की रिपोर्ट के अनुसार अब तक चीनी के निर्यात के लिए लगभग 35 लाख टन के अनुबंध किए जा चुके हैं।

कच्चे तेल में बड़ी गिरावट, बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा

कच्चे तेल की कीमतों में करीब तीन डॉलर प्रति बैरल की गिरावट

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान करीब तीन डॉलर प्रति बैरल की गिरावट देखी गई है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में शुक्रवार को बदलाव देखा जा रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए हैं, लेकिन यूपी में इसकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 96.60 रुपए लीटर और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर पर ही है। गाजियाबाद में भी पेट्रोल 96.26 रुपए लीटर और डीजल 89.45 रुपए लीटर है। हालांकि, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 50 पैसे महंगा होकर 108.12 रुपए लीटर और डीजल 47 पैसे चढ़कर 94.86 रुपए लीटर हो गया है। अगर कच्चे चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर गिरकर 89.78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई करीब 3 डॉलर की गिरावट के साथ 82.12 डॉलर प्रति बैरल है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.60 रुपए और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर है।

भारत बनाम न्यूजीलैंड : रद्द हुआ भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20 मैच, नहीं फेंकी गई एक भी बॉल

वेलिंगटन (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच रद्द हो गया है। वेलिंगटन में खेले जाने वाले इस टी-20 मुकाबले में एक भी बॉल नहीं फेंका गया। यह मैच पूरी तरीके से बारिश के भेंट चढ़ गया। दूसरा टी20 मुकाबला 20 नवंबर को खेला जाएगा। यह मैच भी भारतीय समयानुसार दोपहर 12:00 बजे ही शुरू होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह पहला मौका है, जब न्यूजीलैंड में खेले जा रहे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को बारिश की वजह से रद्द किया गया है। वेलिंगटन में आज लगातार बारिश होती रही जिसकी वजह से करीब पौने 2 घंटे तक का इंतजार भी किया गया। लेकिन बारिश नहीं रुकी। इसके बाद मैच को रद्द कर दिया गया। मैदान में ड्रेनेज सिस्टम भी ठीक नहीं है। ऐसे में इसे सुखाना भी आसान नहीं होता।

आपको बता दें कि आज के मुकाबले में टीम इंडिया ने तेवर और नए कलेवर में दिखाई देती। टी20 विश्वकप में मिली कड़वी याद के बाद टीम खुद को इससे उबरने की कोशिश कर रही है। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में युवा ब्रिग्रेड आज मैदान पर होती। इस श्रृंखला के लिए वीवीएस लक्ष्मण को हेड कोच बनाया गया है। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। आपको बता दें कि दोनों टीमें हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल चरण से बाहर होने के बाद इस श्रृंखला से नयी शुरुआत करेंगी। विश्व कप में भारत को चैम्पियन इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। भारत का इस तरह आईसीसी ट्रॉफी जीतने का नौ साल का इंतजार जारी रहा। अगला टी20 विश्व कप अभी दो साल दूर है और ऐसे में भारत के पास खिलाड़ियों की पहचान करने और इंग्लैंड द्वारा अपनाए गए किसी भी कीमत पर आक्रमण करने के रवैये के साथ उन्हें निखारने के लिए पर्याप्त समय है। अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप को देखते हुए अब ध्यान एकदिवसीय प्रारूप पर अधिक रहेगा लेकिन भारत यहां होने वाले तीन और फिर अपनी मेजबानी में होने वाले विश्व कप तक नौ और टी20 मुकाबलों का पूरा फायदा उठाना चाहेगा। भारत न्यूजीलैंड में दूसरे दर्जे की टीम उतार रहा है लेकिन इसके बावजूद टीम के सदस्यों के पास ठीक-ठाक अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। चार साल पहले न्यूजीलैंड में हुए अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले गिल को यहां टी20 प्रारूप में पदार्पण करने की उम्मीद है।

मनिका ने विश्व में सातवें नंबर की चीनी खिलाड़ी को हराया, साथियान बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने गुरुवार को यहां आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई कप के राउंड ऑफ 16 में दुनिया की सातवें नंबर की चीन खिलाड़ी चेन जिंगटोंग को हराकर उलटफेर किया लेकिन जी साथियान पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में हार गए। प्रतियोगिता के पहले दिन राउंड ऑफ 16 मैच में विश्व की 44वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 4-3 से हराया। मनिका को थाईलैंड के दर्शकों का पूरा समर्थन मिल रहा था और इस भारतीय खिलाड़ी ने भी उन्हें निराश नहीं किया। उन्होंने चीनी खिलाड़ी को रोमांचक मुकाबले में 8-11, 11-9, 11-6, 11-6, 9-11, 8-11, 11-9 से पराजित किया। उन्होंने अपार समर्थन के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया। मनिका ने मैच के बाद कहा,'' इस जीत से मुझे बहुत खुशी मिली क्योंकि मैंने विश्व में सातवें नंबर की खिलाड़ी को हराया है। मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना जारी रखूंगी जैसे कि पहले भी किया करती थी। मैं आगामी मैचों में भी इसी एकाग्रता और जज्बे के साथ खेलूंगी।'' मनिका शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में ताइपे की दुनिया की 23वें नंबर की खिलाड़ी चेन जू यू से भिड़ेंगी। इससे पहले विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी और भारतीयों में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज जी साथियान को जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त युकिया उडा से 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। जापानी खिलाड़ी ने भले ही 11-9, 11-8, 7-11, 9-11, 11-6, 10-12, 11-6 से जीत दर्ज की लेकिन साथियान ने पहले दो गेम में पिछड़ने के बाद हिम्मत नहीं हारी और शानदार वापसी करके एक समय स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया था। साथियान को पहले दौर में हारने के बावजूद 2250 डॉलर की इनामी राशि मिलेगी।

अर्शदीप के प्रदर्शन से प्रभावित हुआ आईसीसी, दिया खास इनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज का आयोजन हो रहा है, जिसका पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया है। इसी बीच आईसीसी ने नई रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारतीय युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप चमके है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण वर्ल्डकप के दौरान सभी का दिल जीतने में सफलता हासिल की थी। अर्शदीप ने भारतीय टीम के लिए अपनी जरुरत को भी पूरी तरह साबित किया है।टी20 वर्ल्ड कप के दौरान अर्शदीप सिंह ने अपने दमदार प्रदर्शन के कारण सभी का ध्यान आकर्षित किया था। इस टूर्नामेंट में अर्शदीप ने कुल 10 विकेट झटके थे। उन्होंने इस दौरान 7.80 रन प्रति ओवर की गति से रन दिए थे। वहीं अब गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने में सक्षम अर्शदीप को इस शानदार प्रदर्शन करने के लिए खुद आईसीसी ने भी इनाम दिया है। आईसीसी रैंकिंग में सुधार करते हुए अर्शदीप अब 22वें पायदान पर पहुंच गए है। इससे पहले अर्शदीप 54वें पायदान पर थे। उन्हें टी20 विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन के लिए 32 स्थानों का लाभ हुआ है। इसी के साथ अर्शदीप ने अपनी पर्फार्मेंस के दम पर खुद को सबसे सफल गेंदबाज साबित किया है। इसके अलावा टी20 विश्व विजेता टीम के ऑलराउंडर सैम करन और अन्य खिलाड़ियों को भी फायदा मिला है।

इस खिलाड़ी को हुआ लाभ: आईसीसी की ताजा रैंकिंग के मुताबिक इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज एलेक्स हेल्स टी20 विश्व कप के बाद सबसे अधिक फायदा हुआ है। विश्व कप से पहले जहां वो टॉप 100 से भी बाहर थे, वहीं अब वो 12वें पायदान पर आ गए है। उन्हें आईसीसी रैंकिंग में 94 स्थान का लाभ हुआ है। अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों में पाकिस्तानी तेज गेंदबाज नसीम शाह 79 स्थान ऊपर उठे है। उन्हें आईसीसी रैंकिंग में 30वां स्थान मिला है।

अर्शदीप की हुई थी वसीम अकरम से तुलना: हाल ही में अर्शदीप सिंह की पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम से तुलना हुई थी। इस तुलना को लेकर साउथ अफ्रीका के पूर्व स्टार क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने अर्शदीप का बचाव किया था।

न्यूजीलैंड दौरा नये खिलाड़ियों के लिये भूमिका में स्पष्टता और मौका देने के बारे: हार्दिक

वेलिंगटन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप की निराशा को पीछे छोड़ते हुए भारतीय कार्यवाहक कप्तान हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को यहां कहा कि न्यूजीलैंड के सीमित ओवर के मौजूदा दौरे का मकसद नये खिलाड़ियों की भूमिका में स्पष्टता और उन्हें मौका प्रदान करना है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की जगह हार्दिक तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में टीम की अगुआई कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि भारतीय टीम पिछले नतीजों के बारे में सोचने में भरोसा नहीं करती। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ी भले ही उम्र से युवा हों लेकिन अनुभव के मामले में नहीं हैं। ये काफी आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) खेल चुके हैं और काफी अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके हैं। मुझे लगता है कि आज के युवा ज्यादा क्रिकेट नहीं खेलने से घबराते नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि अगर हालात की मांग होती है तो मैं और काफी अनुभवी खिलाड़ी विभिन्न भूमिकायें निभायेंगे लेकिन यह दौरा नये खिलाड़ियों के लिये और अधिक स्पष्टता, मौके और खुद को अभिव्यक्त करने का मौका देने के लिये है। हार्दिक ने कहा कि विश्व कप हो चुका है, मैंने इसे पीछे छोड़ दिया है। निराशा रहेगी लेकिन हम पीछे जाकर चीजें नहीं बदल सकते। हम अब आगे के बारे में, इस श्रृंखला के बारे में सोच रहे हैं। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के बाद इतने ही मैचों की वनडे श्रृंखला खेली जायेगी।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि मौजूदा श्रृंखला एडम मिल्ने जैसे खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मंच है जिन्हें टी20 विश्व कप में खेलने का मौका नहीं मिला जिसमें न्यूजीलैंड और भारत दोनों ही टीमें सेमीफाइनल चरण में बाहर हो गयी थीं। भारत को सेमीफाइनल में विजेता बनी इंग्लैंड से जबकि न्यूजीलैंड को पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। विलियमसन ने कहा कि यह बेहतर होने की बात है, विशेषकर नॉकआउट मैचों में। एडम मिल्ने जैसे खिलाड़ी टी20 विश्व कप टीम में भी थे लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला इसलिये यह उन्हें कुछ मैच का समय देने का अच्छा समय है। उन्होंने कहा कि हम नयी शुरूआत करेंगे, यह नयी श्रृंखला है,

दोनों टीमें आगे के बारे में सोच रही हैं। दोनों टीमें फाइनल तक पहुंचना चाहती थीं लेकिन हमें इस श्रृंखला के लिये तैयार करने के लिये एक हफ्ते का आराम मिला।

नियमित खिलाड़ियों के बिना यहां खेलने आयी भारतीय टीम के बारे में पूछने पर विलियमसन ने कहा कि मुझे कोई संदेह नहीं है कि ये सभी भारत के बड़े खिलाड़ी होंगे, मैंने इन सभी को आईपीएल में देखा है। ये काफी प्रतिभाशाली हैं। विलियमसन ने कहा कि भारत के खिलाफ आगामी तीन मैचों की श्रृंखला उनकी टीम के युवा खिलाड़ियों के लिये चयनकर्ताओं को प्रभावित करने और अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में दावा ठोकने का अच्छा मौका प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ज्यादातर टीमें बड़े टूर्नामेंट के लिये तैयारी करती हैं जो ज्यादा दूर नहीं है और वनडे प्रारूप युवाओं के लिये अच्छा मौका होगा।

विलियमसन ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि खिलाड़ियों के पास चमकने के लिये काफी मौके होंगे। हमें देखना होगा कि हमें खेलने के लिये किस तरह की पिच मिलती है जिसके मुताबिक हमें ढलना होगा। श्रृंखला का दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच रविवार को माउंट मोनगानुई में खेला जायेगा।

फीफा विश्व कप 2022 के दौरान स्टेडियम में नहीं बिकेगी 'अल्कोहल' बीयर

दोहा। विश्व कप के आयोजक फुटबॉल टूर्नामेंट के लिये इस्तेमाल होने वाले आठ स्टेडियमों में 'अल्कोहल' (नशे वाली) वाली हर तरह की बीयर की बिक्री पर प्रतिबंध लगायेंगे। इस फैसले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने इसके बारे में बताया। यह फैसला कतर में फुटबॉल मुकाबले शुरू होने से दो दिन पहले ही आया है। इस व्यक्ति ने कहा कि हालांकि 'नॉन अल्कोहल' (बिना नशे वाली) बीयर 64 मैचों में प्रशंसकों के लिये उपलब्ध होगी। इस व्यक्ति ने गोपनीयता की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि आयोजकों ने अभी तक फैसले की घोषणा नहीं की है। बुडवेजर की मूल कंपनी 'एबी इनबेव' प्रत्येक विश्व कप में बीयर बेचने के 'एक्सक्लूसिव' अधिकारों के लिये करोड़ों डॉलर का भुगतान करती है। कंपनी की फीफा से यह साझेदारी 1986 टूर्नामेंट से शुरू हुई थी। जब कतर ने विश्व कप की मेजबानी की बोली प्रक्रिया शुरू की थी तो देश ने फीफा के व्यावसायिक भागीदारों का सम्मान करने पर सहमति जतायी थी और ऐसा 2010 में मत जीतने के बाद अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय भी किया था। ब्राजील में 2014 विश्व कप में मेजबान देश को शराब की बिक्री की अनुमति के लिये एक नियम में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा था।

रघुनाथ ने भारत को पुरुष हॉकी विश्व कप खिताब का प्रबल दावेदार बताया

नई दिल्ली। पूर्व खिलाड़ी वीआर रघुनाथ को लगता है कि 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले आगामी एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में मेजबान भारत पोडियम स्थान हासिल करने का प्रबल दावेदार है। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य रह चुके रघुनाथ ने कहा, ''हम निश्चित रूप से एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला में पदक के दावेदार हैं। हमें घरेलू मैदान और घरेलू प्रशंसकों का लाभ मिलेगा और हमें निश्चित रूप से इसका फायदा उठाना चाहिए।'' भारत ने 41 साल का इंतजार खत्म करते हुए पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था और पूर्व ड्रैग फ्लिकर ने कहा कि इस टूर्नामेंट में पोडियम स्थान देश में खेल के लिये यादगार लम्हा होगा। भारत ने अभी तक विश्व कप में तीन पदक जीते हैं जिसमें देश 1971 में शुरूआती चरण में तीसरे स्थान पर रहा था जिसके बाद टीम ने 1973 में रजत पदक और 1975 कुआलालम्पुर में स्वर्ण पदक जीता था। रघुनाथ ने कहा, ''हाल में हमें तोक्यो ओलंपिक में भी पदक मिला और इस टूर्नामेंट (विश्व कप) में पदक जीतना भी शानदार होगा। अगर वे ऐसा कर सकते हैं तो खिलाड़ियों के लिये वास्तव में यह यादगार लम्हा होगा।'' भारत के अलावा रघुनाथ विश्व खिताब के लिये आस्ट्रेलिया और मौजूदा चैम्पियन बेल्जियम को भी दावेदार मानते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बेल्जियम और आस्ट्रेलिया दो टीमें होंगी जिन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही एकदिवसीय में इंग्लैंड को छह विकेट से हराया

एश्टन की फील्डिंग को देख हैरान हुए लोग

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां हुए पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। इंग्लैंड की ओर से डेविड मलान ने शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। मलान ने 128 गेंदों में 134 रन बनाये जिससे इंग्लैंड ने 50 ओवरों में नौ विकेट पर 287 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 288 रनों के लक्ष्य को डेविड वॉर्नर के 86 रन), ट्रेविस हेड के 69 रन और स्टीव स्मिथ के 80 नाबाद रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आसानी से हासिल कर लिया। मेजबान टीम ने यह मुकाबला 46.5 ओवर में ही छह विकेट से जीत लिया। इस मैच में मलान के शतक से ज्यादा चर्चा एश्टन एगर की शानदार फील्डिंग की हुई। 45वें ओवर की अंतिम गेंद पर मलान ने पैट कमिंस की गेंद पर हवा में शॉट लगाया और गेंद 6 रनों के लिए निकली पर डीप मिडविकेट पर एश्टन एगर ने हवा में छलांग लगार गेंद रोककर 5 रन बचाए। एश्टन की इस फील्डिंग को देखकर लोग हैरान रह गये।

इस मैच में मेजबान टीम के वॉर्नर और हेड की नई सलामी जोड़ी ने 88 गेंदों में शतकीय साझेदारी करके 288 रनों का लक्ष्य हासिल किया। वॉर्नर ने 44 गेंदों में अर्धशतक बनाया जबकि हेड 46 गेंदों में अर्धशतक लगाया। इस साझेदारी के टूटने के बाद हेड ने जॉर्डन की गेंद पर आउट हुए और 147 रनों की शुरुआती साझेदारी समाप्त हो गई। इससे शायद ही कोई फर्क पड़ा क्योंकि स्मिथ ने तब पारी को संभाला। विली द्वारा वॉर्नर और मार्नस लाबुशेन को लगातार ओवरों में आउट करने के बाद मेहमानों ने देर से वापसी की, लेकिन स्मिथ ने जल्दी ही उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अनुभवी बल्लेबाज का अर्धशतक 47 गेंदों में पूरा हुआ, इससे पहले कि उन्होंने उन्हें एक चौका और एक छक्का लगाया और 19 गेंद शेष रहते हुए ऑस्ट्रेलिया को जिताने में मदद की।

मेल्टवाटर चैंपियनशिप चैस टूर - अर्जुन की पहली जीत , ममेद्यारोव को हराया

सान फांसिस्को ,यूएसए। वर्ष 2022 चैम्पियन चैस टूर फाइनल के चौथे दिन भारत के ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें आखिरकार अपनी हार के क्रम को तोड़ते हुए पहली जीत दर्ज की । लगातार तीन हार से शुरुआत करने वाले अर्जुन नें विश्व के नंबर 14 खिलाड़ी अजरबैजान के शाखरियार ममेद्यारोव को चार रैपिड के राउंड में 3-1 से पराजित किया । दोनों के बीच हुए पहले रैपिड में बाजी ड्रॉ रही लेकिन दूसरे रैपिड में अर्जुन नें सफ़ेद मोहरो से गुन्फील्ड ओपनिंग में 58 चालों में जीत दर्ज कर बढ़त बना ली ,इसके बाद तीसरा मैच ड्रॉ रहने से अर्जुन 2-1 से आगे हो गए थे और ममेद्यारोव के ऊपर चौथा मैच जीतने का दवाब था पर चौथे मुक़ाबले में भी अर्जुन सफ़ेद मोहरो से पिर्क ओपनिंग में जीत गए और 3-1 से दिन अपने नाम करने में सफल रहे । वहीं भारत के आर प्रज्ञानन्धा को यूएसए के वेसली सो के हाथो पराजय का सामना करना पड़ा ,वेसली नें उन्हे 2.5-1.5 से पराजित किया तो दूसरी ओर पोलैंड के यान डूडा का विजयरथ वियतनाम के लिम क्यूंग ले रोक लिया और उन्हे 3-1 से पराजित कर दिया । हालांकि नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन लगातार चौथी जीत दर्ज करने में सफल रहे और उन्होने नीदरलैंड के अनीश गिरि को 3-0 से करारी हार का स्वाद चखाया ।

लंका प्रीमियर लीग : जयसूर्या और वसीम अकरम को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सनत जयसूर्या और वसीम अकरम को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। दरअसल, 6 से 23 दिसंबर तक चलने वाली लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के तीसरे चरण के लिए 'ब्रांड दूत' बनाया गया है। सर्वकालिक विस्फोटक बल्लेबाजों में शुमार जयसूर्या ने श्रीलंका के लिए 20,000 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन और 440 विकेट झटके हैं जबकि अकरम ने पाकिस्तान के लिए अपने शानदार करियर में कुल 916 विकेट चटकाए हैं।

जयसूर्या ने विज्ञप्ति में कहा, ''मैं एलपीएल के तीसरे चरण में ब्रांड दूत बनकर काफी खुश हूं। यह टूर्नामेंट घरेलू क्रिकेट कैलेंडर में जुड़ना शानदार है और इससे श्रीलंका में कुछ बेहतरीन प्रतिभायें सामने आयी हैं।' उन्होंने कहा, ''इससे हमें बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभा खोजने और उन्हें तराशने के लिये आदर्श मंच मिला है जैसे हमने इस साल के शुरू के दौरान एशिया कप में देखा। एलपीएल श्रीलंका को अपनी टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम तैयार करने में मदद कर रहा है।'

वहीं 1992 वनडे विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे अकरम ने कहा कि वह टूर्नामेंट का ब्रांड दूत बनकर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, ''इससे श्रीलंका में कुछ अच्छे खिलाड़ी देखने को मिल रहे हैं और इस साल हमने एशिया कप में इसका सबूत भी देखा जिसमें टीम ने जीत दर्ज की।' टूर्नामेंट के आगामी चरण में कुछ स्टार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी खेलेंगे जिसमें एविन लुईस, कार्लोस ब्रैथवेट, जानेमन मलान, ड्वेन प्रिटोरियस, डार्सी शॉर्ट और शोएब मलिक शामिल हैं।

पुरूषों के टेनिस टूर की पुरस्कार राशि बढ़कर 2023 में 21.5 करोड़ डॉलर से ऊपर होगी

तूरिन। एटीपी टूर और एटीपी चैलेंजर टूर की कुल पुरस्कार राशि 2023 में 37.5 मिलियन (3.7 करोड़) डॉलर बढ़कर 217.9 मिलियन (21.79 करोड़) डॉलर हो जायेगी। पुरूष टेनिस सर्किट में यह पहली बार हुआ है कि इतनी बड़ी राशि एक ही सत्र में बढ़ायी गयी हो। मैड्रिड, रोम और शंघाई में आठ से 12 दिवसीय टूर्नामेंट होने से एटीपी (टेनिस पेशेवर संघ) टूर में 'ऑन-साइट' (टूर्नामेंट के दौरान) मिलने वाली पुरस्कार राशि 18.6 मिलियन (1.86 करोड़) डॉलर हो जायेगी। कनाडा में मास्टर्स 1000 और सिनसिनाटी दोनों टूर्नामेंट 2025 में 12 दिवसीय हो जायेंगे। एटीपी ने 2023 में अपने 'बोनस पूल' को भी 21.3 मिलियन (2.13 करोड़) डॉलर तक बढ़ा दिया है जो 2022 की तुलना में 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। एटीपी चैलेंजर की पुरस्कार राशि अगले सत्र में 12.1 मिलियन (1.21 करोड़) डॉलर से 21.1 मिलियन (2.11 करोड़) डॉलर तक होकर 75 प्रतिशत तक बढ़ जायेगी। एटीपी टूर ने जून में कहा था कि वह लाभ में साझेदारी का नया फॉर्मूला बना रहा है जिसके बाद खिलाड़ियों को और अधिक राशि मिलने लगेगी।

फाइनल में पहुंचने से पहले लीग स्टेज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना जरूरी : रोनाल्डो

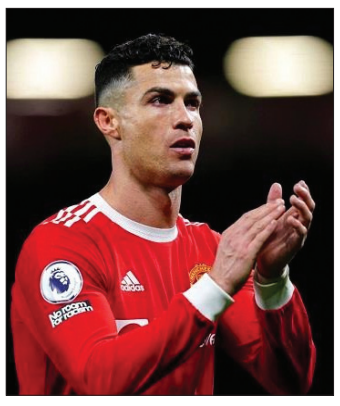

दोहा (एजेंसी)। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर और छह बार के बैलन डिओर पुरस्कार विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि फीफा विश्व कप 2022 का हर मैच एक संघर्ष है और उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिये शुरुआती छह मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा। रोनाल्डो ने कहा, 'अगर हमें फाइनल में पहुंचना है तो हमें शुरुआती छह मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सबसे पहले हम नॉकआउट में पहुंचने का प्रयास करेंगे। हम कतर में संघर्ष करने के लिये तैयार हैं।'

उल्लेखनीय है कि वीडियो गेम कंपनी इलेक्ट्रॉनिक आर्ट्स (ईए) ने हाल ही में फीफा 2023 गेम में भविष्यवाणी की थी कि कतर में होने वाले विश्व कप 2022 का फाइनल पुर्तगाल और अर्जेंटीना में होगा, जबकि खिताबी मैच अर्जेंटीना जीतेगी। अपना पांचवां विश्व कप खेल रहे रोनाल्डो ने कहा कि उनके लिए हर मैच बराबर महत्व रखेगा। रोनाल्डो ने कहा, 'हर मैच एक संघर्ष है और आपको (टूर्नामेंट में) बने रहने के लिये मानसिक एवं शारीरिक रूप से मजबूत होना होगा।'

पुर्तगाल को 20 नवंबर को शुरू होने वाले शीर्ष टूर्नामेंट के लिये ग्रुप-एच में उरुग्वे, घाना और दक्षिण कोरिया के साथ रखा गया है। उरुग्वे ने फीफा विश्व कप 2018 में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल दौर में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। डार्विन नुनेज और फेडेरिको वाल्वरडे जैसे प्रतिभाशाली युवाओं के साथ उरुग्वे एक कड़ी चुनौती साबित होगी, हालांकि ब्रूनो फर्नांडीस और बर्नांडर सिल्वा जैसे खिलाड़ियों की उपस्थिति पुर्तगाल को आशावादी होने का कारण देगी। रोनाल्डो ने कहा, 'इन प्रतिभाशाली पुर्तगाली फुटबॉलरों के पास टीम और पुर्तगाली प्रशंसकों को देने के लिए बहुत कुछ है।'

पुर्तगाल 24 नवंबर को घाना के खिलाफ अपने विश्व कप 2022 अभियान की शुरुआत करेगा, जबकि पांच दिन बाद उरुग्वे और दो दिसंबर को दक्षिण कोरिया के साथ खेलेगा। साल 2003 में पदार्पण करने वाले रोनाल्डो ने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी 13 साल बाद फ्रांस में यूरोपीय चैंपियनशिप के रूप में जीती थी। इसके अलावा रोनाल्डो पुर्तगाल के लिये यूईएफए नेशन्स लीग 2018-19 भी जीत चुके हैं। पुर्तगाल ने हालांकि अब तक एक बार भी विश्व कप ट्रॉफी नहीं उठाई है, जबकि उन्होंने 1966 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था।

फीफा 2022 : चोटों के कारण अर्जेंटीनी स्ट्राइकर गोंजालेज और जोक्किन कोरिया विश्व कप से बाहर

दोहा। अर्जेंटीना के स्ट्राइकर निकोलस गोंजालेज और जोक्किन कोरिया चोटों के कारण विश्व कप से बाहर हो गये। अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ ने कहा कि फियोरेंटिना क्लब के लिये खेलने वाले गोंजालेज गुरूवार को ट्रेनिंग सत्र के दौरान मांसपेशियों में चोट लगा बैठे और अब उनकी जगह एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड एंजेल कोरिया लेंगे। महासंघ ने यह भी कहा कि जोक्किन कोरिया को 26 सदस्यीय टीम से एक विशेष चोट की वजह से बाहर किया गया। इंटर मिलान के इस खिलाड़ी की जगह अटलांटा यूनाईटेड के फॉरवर्ड थियागो अलमाडा को शामिल किया गया। जोक्किन कोरिया ने बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात पर 5-0 की जीत के दौरान एक गोल दागा था।

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भंति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / क्म्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / क्म्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेकटीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।

नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।

कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।

नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।

पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।

बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें ?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम , भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए , जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद , 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है , तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक , तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

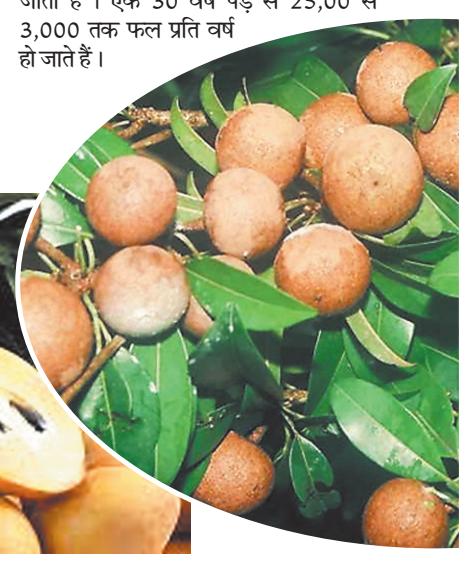

जबरन नसबंदी के बाद उइगर महिलाओं पर चीन का नया टॉर्चर, शादी के खेल में सरकार सक्रिय रूप से शामिल

बिजिंग। मुस्लिम-बहुसंख्यक देश आमतौर पर दुनिया भर में सताए गए मुसलमानों का समर्थन करते हैं। लेकिन चीन में मुस्लिम अल्पसंख्यक समूह के कथित दुर्व्यवहार के बारे में समर्थन करना तो दूर उसे सुनने से भी किनारा करते नजर आते हैं। चीन की सरकार की तरफ से आए दिन उइगर मुस्लिमों के टॉर्चर की अनगिनत कहानियां विभिन्न रिपोर्टों के माध्यम से सामने आ चुकी हैं। लेकिन अब एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि चीनी सरकार ने 2014 से उइगर क्षेत्र में होने वाले अंतर जातीय विवाहों को प्रोत्याहित और मजबूर किया है। चीन के शिंजियांग या पूर्वी तुर्किस्तान क्षेत्र में हान पुरुषों को आकर्षित करने के लिए उइगर महिलाओं या युवतियों की शादी के विज्ञापन दिए जाते हैं। चीनी सरकार उइगर लोगों के चल रहे नरसंहार में महिलाओं को निशाना बनाती है। महिलाएं चीन के एकाग्रता शिविरों और जेलों में नियमित यौन हिंसा की रिपोर्ट करती है। यही नहीं जबरन नसबंदी के सबूत भी मिले हैं। यूएचआरपी ने कहा कि साक्ष्य में अंतर जातीय विवाह और शादियों के राज्य अनुमोदित ऑनसाइन खाते शामिल हैं। यूएचआरपी ने महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने वाले अभियानों से अपने उत्तरदायित्व के तहत उइगर और अन्य तुर्क महिलाओं द्वारा जबरन और प्रोत्साहन विवाह को समाप्त करने का आग्रह किया है।

पत्रकार की हत्या मामले में सऊदी क्राउन प्रिंस को बचाने के लिए अमेरिका ने उठाये कदम

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के कार्यालय को उन्हें अमेरिका के पत्रकार की हत्या मामले में उनकी भूमिका के लिए मुकदमों से बचाना चाहिए। यह एक बड़ा बदलाव है क्योंकि इस नृशंस हत्या को लेकर प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की निंदा के लिए जो बाइडन ने जोरदार आभियान चला चुके हैं। प्रशासन ने कहा कि प्रिंस की आधिकारिक स्थिति से उन्हें 'वाशिंगटन पोस्ट' के मारे गये लेखक जमाल खशोगी की मंगेतर और उनके द्वारा स्थापित अधिकार समूह 'डेमोक्रेसी फॉर द अरब वर्ल्ड नाउ' द्वारा दायर मुकदमे में प्रतिरक्षा मिलनी चाहिए। राज्य विभाग ने बृहस्पतिवार को खशोगी की हत्या में सऊदी क्राउन प्रिंस को अमेरिकी अदालतों से बचाने की कोशिश करने के प्रशासन के फैसले को 'विशुद्ध रूप से एक कानूनी दृढ़ संकल्प' करार दिया। साथ ही कहा कि अनुरोध गैर-बाध्यकारी है और एक न्यायाधीश अंततः निर्णय करेगा कि प्रतिरक्षा प्रदान की जाए या नहीं। ले किन इससे मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कई अमेरिकी सांसदों का नाराज होना तय है। क्योंकि सऊदी अरब ने देश और विदेश में शांतिपूर्ण आलोचकों के खिलाफ कारावास और अन्य जवाबी कार्रवाई को कड़ा करने समेत तेल उत्पादन में कटौती कर दी है। तेल में कटौती के इस कदम को अमेरिका और उसके सहयोगियों के उस दमनकारी प्रयास के रूप में देखा जा रहा है जिसका मकसद यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए रूस को दंडित करना है।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष पद की दावेदारी पेश नहीं करेंगी नैन्सी पेलोसी

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नयी कांग्रेस (संसद) में प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष पद की दावेदारी पेश नहीं करेंगी। मध्यावधि चुनाव में प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन पार्टी की जीत से डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत खत्म हो गया है। पेलोसी के अध्यक्ष पद की दावेदारी से पीछे हटने से नयी पीढ़ी के नेताओं के लिए मार्ग प्रशस्त होगा। पेलोसी ने सदन में अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि उन्होंने करीब 20 साल तक डेमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व करने और उनके पति पॉल पर हुए हमले- तथा जनता की सेवा करने के बाद इस पद से हटने का फैसला किया है। पिछले महीने सैन फ्रांसिस्को में पेलोसी के पति पॉल पर उनके घर में हमला हुआ था। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता और अमेरिकी इतिहास में महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में अपना नाम दर्ज कराने वाली पेलोसी आधुनिक समय में प्रतिनिधि सभा की सर्वाधिक शक्तिशाली अध्यक्ष थीं। उन्होंने कहा कि वह सेन फ्रांसिस्को का प्रतिनिधित्व करती रहेंगी। वह 35 साल से सेन फ्रांसिस्को का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने पेलोसी को डेमोक्रेटिक नेता के रूप में बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया था और उन्होंने सुबह पेलोसी से बात की और सदन के अध्यक्ष के रूप में उनके ऐतिहासिक कार्यकाल पर उन्हें बधाई दी। बाइडन ने एक बयान में कहा, इतिहास याद रखेगा कि वह हमारे इतिहास में प्रतिनिधि सभा की सबसे प्रभावशाली अध्यक्ष रहीं।

इस्तांबुल में बमबारी में 17 संदिग्धों पर आरोप तय

इस्तांबुल। तुर्किया की अदालत ने इस्तांबुल में एक सड़क पर हुई बमबारी के मामले में 17 संदिग्ध आरोपियों को मामले के लंबित रहने के दौरान जेल भेजने का आदेश दिया। अदालत ने तीन अन्य संदिग्धों को मामला लंबित रहने के कारण रिहा कर दिया। अदालत ने उन 29 लोगों को तुर्किये से निर्वासित करने का भी आदेश दिया जिन्हें हमले के सिलसिले में पुलिस ने हिरासत में लिया था। 13 नवंबर के विस्फोट में इस्तांबुल के अति व्यस्त इस्तिकलाल एवेन्यू को निशाना बनाया गया था। घटना में दो बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 80 से अधिक अन्य घायल हुए थे। तुर्किये के अधिकारियों ने पिछले सप्ताहांत के विस्फोट के लिए प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी, या पीकेके, साथ ही इससे जुड़े सीरियाई कुर्द समूहों को जिम्मेदार ठहराया था। कुर्द उग्रवादी समूहों ने संलिप्तता से इनकार किया है।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान इस पवित्र सदन को दुरुप्रयोग करता रहा - प्रतीक माथुर

जिनेवा। भारत ने सुरक्षा परिषद में सुधारों पर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान की आलोचना कर कहा कि झूठ फैलाने की उसकी दुस्साहसपूर्ण करतूतों और बहुपक्षीय मंचों की शुचिता भंग करने की उसकी बुरी आदत की अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा निंदा होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के सलाहकार प्रतीक माथुर ने कहा, इस पवित्र सदन का पाकिस्तान लगातार दुरुपयोग करता रहा है, भारत को हक है कि वह उसका जवाब दे और आज मैं इस मंच पर भारत के उस हक के साथ अपनी बात रखूंगा। माथुर ने कहा कि यूएनजीए जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के लिए बैठक कर रहा है, तब फिर से पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने जम्मू-कश्मीर का ''अनुचित जिक्र'' किया। माथुर ने कहा, मैं फिर दोहराना चाहता हूं, पाकिस्तानी प्रतिनिधि चाहे जो भी मानें या कहें, लेकिन जम्मू-कश्मीर, भारत का एक अभिन्न व अविभाज्य हिस्सा है। साथ ही उन्होंने कटाक्ष कर कहा कि पाकिस्तान पर तरस खाना चाहिए। इससे पहले दिन में, संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने पूर्ण बैठक को संबोधित किया था। उन्होंने जी4 देशों ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान की ओर से जोर देकर कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार को जितना लंबा खींचा जाएगा, प्रतिनिधित्व में उसकी कमी उतनी ही अधिक दिखेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधित्व, इसकी वैधता और प्रभावशीलता की एक अनिवार्य शर्त है।

ब्रिटिश सिख टैक्सी चालक की मौत मामले में टॉमाज मार्गोल आरोपित

लंदन। मध्य इंग्लैंड के वॉल्वरहैम्पटन में किए गए हमले में एक ब्रिटिश सिख टैक्सी चालक की मौत के संबंध में 35 वर्षीय व्यक्ति को हत्या के लिए आरोपित किया गया है। अनाख सिंह (59) शहर के नाइन एल्म्स लेन में एक निजी टैक्सी कंपनी में ड्राइवर के तौर पर कार्यरत थे और ड्यूटी के दौरान वह गंभीर रूप से घायल पाए गए थे, जिनकी बाद में मृत्यु हो गई थी। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने कहा कि टॉमाज मार्गोल को हत्या के लिए आरोपित किया गया है और इस महीने की शुरुआत में वॉल्वरहैम्पटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। शव का पोस्टमार्टम भी हुआ था, लेकिन परिणाम अनिर्णायक रहे थे। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने श्री सिंह के परिवार को घटनाक्रम की नवीनतम जानकारी उपलब्ध करा दी है।

टोक्यो में एक व्यक्ति टीवी स्क्रीन पर उत्तर कोरिया के मिसाइल लगाने का समाचार देखते हुए।

अमेरिकी सांसद कार्टर ने कहा, भारत का भविष्य आज ''पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल

वाशिंगटन। भारत के साथ अमेरिका के गहरे होते संबंधों पर खुशी जताकर अमेरिकी सांसद जॉन कार्टर ने कहा कि भारत का भविष्य आज ''पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल है।'' कार्टर ने प्रतिनिधि सभा में कहा, मैं ब्रिटिश साम्राज्य से भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आज (सदन में) खड़ा हुआ हूं। उन्होंने कहा कि पिछले दशकों में लोकतंत्र और स्वशासन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता अटूट रही है और उसका भविष्य आज ''पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल है।''

उन्होंने कहा, मैं भारत के साथ अमेरिकी संबंधों के लगातार मजबूत होने से उत्साहित हूं, जैसा कि पिछले 75 साल से जारी है और भारतीयों को हमारा मित्र बताने पर मुझे गर्व है। सांसद कार्टर ने कहा, संसद ने 15 अगस्त, 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया था जिसने भारत को लगभग 90 वर्षों के बाद आधिकारिक तौर पर एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।'कार्टर ने कहा, संसद के इस अधिनियम ने इतिहास के सबसे बड़े लोकतंत्र के निर्माण को चिह्नित किया, जो एक अरब से अधिक आबादी वाले मजबूत राष्ट्र का संचालन करता है।

वैश्विक आबादी आठ अरब तक पहुंच गई है, प्रति व्यक्ति खपत अभी भी मुख्य समस्या

वॉशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया की आबादी ने अभी एक नया रिकॉर्ड बनाया है- आठ अरब। जैसा कि अक्सर होता है, ग्रह की तथाकथित वहन क्षमता - उन लोगों की कुल संख्या जो पृथ्वी पर स्थायी रूप से रह सकते हैं, के बारे में गरमागरम बहसें होती हैं। विशेषज्ञ आमतौर पर दो शिविरों में विभाजित होते हैं। एक तरफ ऐसे लोग हैं जो तर्क देते हैं कि पारिस्थितिक तबाही से बचने के लिए हमें मानव आबादी को व्यापक रूप से कम करने की आवश्यकता है। और दूसरी तरफ ऐसे लोग हैं जो मानते हैं कि कठोर कदम उठाने की बजाय प्रौद्योगिकी इस समस्या का कोई स्मार्ट समाधान ढूंढ लेगी। वैज्ञानिक कम से कम 18वीं शताब्दी से इस तरह के जनसांख्यिकीय मुद्दों पर बहस कर रहे हैं, जब थॉमस माल्थस ने जनसंख्या के सिद्धांत पर एक निबंध प्रकाशित किया था, जो यकीनन जनसंख्या वृद्धि और इसकी वजह से होने वाली कमी के बीच संबंधों पर पहला वैश्विक ग्रंथ था। कुछ दशकों बाद, हालांकि, औद्योगिक क्रांति (जिसका अनुमान लगाने में ब्रिटिश अर्थशास्त्री विफल रहे थे) ने वैज्ञानिक बहस के हाशिए पर कमी की अनिवार्यता के बारे में माल्थस की गंभीर भविष्यवाणियों को खारिज कर दिया और दुनिया को बहुतायत के युग में ले आई। 1960 के दशक के अंत में प्रकाशित एक बेस्टसेलिंग पुस्तक, द पॉपुलेशन बॉम्ब, के माध्यम से स्टैनफोर्ड के प्रोफेसर पॉल एर्लिच ने विषय को दोबारा उठाया, उन्होंने एक सीमित ग्रह पर जनसंख्या वृद्धि को सीमित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की वकालत की। वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क क्लब ऑफ रोम द्वारा कुछ साल बाद इस सिफारिश को दोहराया गया। इसकी 1972 की रिपोर्ट द लिमिट्स टू ग्रोथ ने बढ़ती खपत और ग्रहों की सीमाओं के विचार के बीच गतिशील संबंध को प्रदर्शित किया, जिसे गंभीर पर्यावरणीय परिवर्तन को जोखिम में डाले बिना पार नहीं किया जा सकता। यह सच है कि कुछ तकनीकों ने उत्पादन को अधिक बेहतर बना दिया है (उर्वरक उनमें से एक है), इस प्रकार संसाधनों के उपयोग पर जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव को कम कर दिया है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि मानव जाति ने ग्रहों की सीमाओं को बड़े पैमाने पर पार कर लिया है। आबादी में एक छोटी वृद्धि भी अब अधिक विनाशकारी हो सकती है हालाँकि, यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि ग्रह कितने मनुष्यों को स्थायी रूप से सह सकता है। इसे अक्सर नीतिगत बहसों में अनदेखा कर दिया जाता है, जो आम तौर पर इस मुद्दे को आसान समझकर इससे निपटते हैं, इस धारणा पर विश्वास करते हैं कि जीवन स्तर में वृद्धि से जन्म दर कम होगी। इसलिए, तर्क दिया जाता है, जैसे ही एशिया और अफ्रीका जैसे महाद्वीप यूरोप और उत्तरी अमेरिका के समान विकास के स्तर तक पहुंचेंगे, वैसे ही वैश्विक जनसंख्या में गिरावट आएगी। यह आसानी से एक विरोधाभास उत्पन्न कर सकता है। देश प्रति व्यक्ति खपत को बढ़ाकर अपने जीवन स्तर में वृद्धि जारी रखेंगे, जिसके परिणामस्वरूप आबादी तो कम होगी, लेकिन पारिस्थितिक प्रभाव बहुत बड़े होंगे। चीन को ही लीजिए। इसकी जनसंख्या वृद्धि दर 1970 के दशक में 2.8त्न से काफी कम हो गई है और इस वर्ष पूर्ण रूप से पहली गिरावट सामने आई है। लेकिन उस अवधि में इसके समग्र खपत स्तर में भारी वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप शुद्ध प्रभाव बहुत खराब हो गया है। यही बात भारत और अधिकांश उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर भी लागू होती है। यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो वैश्विक आबादी तो कम हो सकती है, लेकिन ग्रह पर उसके काफी अधिक विनाशकारी प्रभाव पड़ सकते हैं। एक कल्याणकारी अर्थव्यवस्था का विकास करना समय आ गया है कि हम संपन्नता के प्रति अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करें और जीवन स्तर में सुधार के विभिन्न तरीके विकसित करें।

समय पूर्व चुनाव ही बचा सकता है अर्थव्यवस्था को : इमरान खान ने कहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में सिर्फ समय से पहले चुनाव कराने से ही देश की अर्थव्यवस्था को बचाया जा सकता है। यह कहना है पाक पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का। इमरान खान ने एक रैली में बोलते हुए पूछा कि आखिर इस आर्थिक संकट का जिम्मेदार कौन है?

उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान डिफॉल्ट की ओर बढ़ रहा है और इसका जोखिम अब 64.5 फीसदी हो गया है। इमरान अपने भाषण के दौरान डिफॉल्ट के जोखिम का जिक्र कर रहे थे जो 64.5 फीसदी के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इमरान ने दावा किया कि अप्रैल में उनकी सरकार को जबरन सत्ता परिवर्तन के जरिए हटाया गया था।

तब उनकी सरकार का विदेश से कर्ज लेने का जोखिम 5 फीसदी से भी कम था और आज यह बढ़ कर 64.5 फीसदी हो गया। इमरान ने आगे कहा, 'इसका मतलब है कि हमारे देश में आयात का भुगतान और विदेशी कर्ज को चुकाने के लिए संसाधनों की कमी है।' हालांकि पाकिस्तान की मीडिया इस बात से हैरान है कि इमरान ने पाकिस्तान में आई बाढ़ का जिक्र भी नहीं किया। इमरान ने कहा कि नए आंकड़े बताते हैं कि इस बात की प्रबल संभावना है कि पाकिस्तान अपना कर्ज नहीं चुका पाएगा। यह दिखाता है कि वर्तमान सरकार ने अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। उन्होंने शहबाज शरीफ के परिवार पर भारी लोन का आरोप लगाते हुए कहा, 'विदेशी निवेशक पाकिस्तान से अपना पैसा निकाल रहे हैं और कोई भी पाकिस्तान को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं है।' पाकिस्तान का कुल कर्ज बढ़ कर 53.5 ट्रिलियन रुपए हो गया है। रैली में पीटीआई प्रमुख ने आशंका जताई कि अगर देश में डिफॉल्ट होता है तो रुपया और भी ज्यादा गिरेगा, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ेगी।

पाकिस्तान राष्ट्रपति का बेतुका बयान, भारत पाकिस्तान से शांतिपूर्ण रिश्ते नहीं चाहता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान विवाद 70 साल पुराना हैं। भारत में नए-नए प्रधानमंत्री बने फिर चाहें वह मनमोहन सिंह हो या भी नरेंद्र मोदी हर किसी ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को सुधारने का प्रयास किया। इतना ही नहीं नरेंद्र मोदी ने 2014 में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी तब उन्होंने पाकिस्तान सहित अपने सभी पड़ोसी देशों के प्रधान को आमंत्रित किया था। यह साफ संकेत था भारत की नई सरकार का कि वह अपने संबंधों को सबके साथ मधुर रखना चाहती हैं, लेकिन पाकिस्तान ने बदले में भारत को पठान कोट, उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमले दिए। अब पाकिस्तानी राष्ट्रपति दुनिया के सामने यह जताने की कोशिश कर रहे हैं, कि भारत पाकिस्तान के साथ अपने संबंध ठीक नहीं करना चाहता।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने आरोप लगाया कि भारत उनके देश के साथ सहयोग को नजरअंदाज कर ''शांति नहीं स्थापित' करने की नीति अपना रहा है। अल्वी ने कहा कि पाकिस्तान अपनी तरफ से समाधान निकालने की कोशिश करता रहा है, लेकिन यह खेदजनक है कि भारत, पाकिस्तान के साथ मित्रता और सहयोग नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघर्षों को रोकने की कोशिश में अंतरराष्ट्रीय कूटनीति एक प्रमुख औजार हो सकती है तथा उन्होंने उभरते देशों को वीटो का अधिकार देने के विचार का विरोध किया। भारत ने कहा है कि वह इसतरह के वातावरण में पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है जो आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त हो। बता दे कि पिछले कुछ सालों में दुनिया में भारत का कद बढ़ता जा रहा हैं। विश्व के बड़े-बड़े देश भारत को किसी भी रूप में नजरअंदान नहीं कर सकते हैं।

नेपाल में 20 नवंबर को होगा मतदान, प्रधानमंत्री देउबा ने चुनाव से पहले देशवासियों से की खास अपील

काठमांडू (एजेंसी)। चुनावों को लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा बताते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने रविवार को होने वाले संसदीय तथा प्रांतीय चुनाव को सफल बनाने की मतदाताओं से अपील की है। नेपाल में संसद और प्रांतीय विधानसभाओं के लिए मतदान एक चरण में 20 नवंबर को होगा। देश के सात प्रांतों में 1.79 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। संघीय संसद के कुल 275 सदस्यों में 165 का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान से और बाकी 110 का आनुपातिक पद्धति से होगा। इसी तरह प्रांतीय विधानसभाओं के कुल 550 सदस्यों में 330 का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान से और शेष 220 का आनुपातिक पद्धति से होगा।

देउबा ने मतदान से पहले बृहस्पतिवार को प्रसारित एक वीडियो संदेश में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि हमें संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य प्रणाली को मजबूत करते हुए देश को समृद्धि के मार्ग पर आगे ले जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा है और सभी नेपाल वासियों को 20 नवंबर के ऐतिहासिक तथा प्रांतीय विधानसभा चुनावों को सफल बनाना चाहिए। देउबा (76) ने कहा कि नेपाली कांग्रेस देश में अतीत में हुए सभी सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन में अग्रणी रही है और अब देश को समृद्धि की ओर ले जाने की जिम्मेदारी नेपाली कांग्रेस की है।

नेपाल में पांचवीं बार प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल रहे देउबा ने कहा कि उनकी सरकार युवाओं के लिए काम करेगी।

सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल सीपीएन-माओवादी सेंटर के नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड ने 20 नवंबर के चुनाव को प्रगतिशील तथा दमनकारी ताकतों के बीच जनमत संग्रह बताया। दहल ने एक वीडियो संदेश में सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने और गठबंधन को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक जनता की पहुंच के माध्यम से नेपाल को समृद्ध बनाने और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी हमारे कंधों पर आ गयी है।

इस बीच, सत्तारूढ़ गठबंधन के चार प्रमुख दलों के अध्यक्षों ने मतदाताओं से आम चुनाव को राष्ट्रीय महोत्सव मानने और मतदान प्रक्रिया में भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने एक संयुक्त बयान में सभी मतदाताओं से वाम-लोकतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवारों को चुनाव में विजयी बनाने की अपील की है। इन नेताओं में देउबा, दहल, सीपीएन (यूनीफाइड सोशलिस्ट) के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल तथा राष्ट्रीय जनमोर्चा के अध्यक्ष चित्र बहादुर केसी शामिल हैं। नेताओं ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान गठबंधन के पक्ष में राष्ट्रीय स्तर पर जन समर्थन की लहर है।

नेपाल के निर्वाचन आयोग ने मतदान सुगमता से संपन्न कराने के लिए अनेक कदमों की घोषणा की है जिनमें नेपाल-भारत सीमा को बंद करने, मतदान केंद्रों पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाने और हवाई गश्त शामिल हैं। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता शालिग्राम शर्मा पौडयाल ने कहा कि चुनाव के मद्देनजर भारत-नेपाल सीमाओं को पहले ही बंद कर दिया गया है और मतदान संपन्न होने के बाद उन्हें फिर खोला जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि भारत, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव के मुख्य निर्वाचन आयुक्त अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के रूप में यहां पहुंच रहे हैं। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार की अगुवाई में चुनाव आयोग के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल 18 नवंबर से 22 नवंबर तक नेपाल में राजकीय मेहमान के रूप में रहेगा।

अमेरिका को आंख दिखा रहा है उत्तर कोरिया ! चेतावनी के बाद भी जापान के उपर से किया लगातार दो बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया, ईरान और रूस मौजूदा समय में ऐसे देश है जिस पर अमेरिका ने कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। इन्हीं प्रतिबंधों के कारण इन देशों के साथ कोई भी व्यापारिक और सामरिक संबंध स्थापित नहीं करता हैं। चीन और रूस को छोड़कर उत्तर कोरिया के साथ अन्य देशों ने अपने व्यापारिक संबंधों को समाप्त किया हुआ हैं। अमेरिका ने कास्ता कानून लगाने के बाद भी उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाना कम नहीं किया। वह लगातार दक्षिण कोरिया और जापान को दहलाने के लिए बैलिस्टिक मिसाइलों का परिक्षण करता रहता हैं। साल 2022 में उत्तर कोरिया की तरफ से बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण दुगनी स्पीड से कर दिया गया है। उत्तर कोरिया की कई मिलाइले जापान और दक्षिण कोरिया के उपर से उड़कर भी जा रही हैं ऐसे में जापान और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ हैं। ऐसे में अमेरिका ने कड़े शब्दों में उत्तर कोरिया को धमकी दी है कि वह अपनी हरकतों से बाज आ जाए। उत्तर कोरिया की इस हरकत के बाद अमेरिका ने दक्षिण कोरिया और जापान में तैनात उसके सैनिकों की सुरक्षा को लेकर निर्देश जारी किए हैं। अमेरिका के इस कदम के बाद उत्तर कोरिया ने फिर से अमेरिका को निशाना बनाने के लिए निर्मित लंबी दूरी तक मार करने वाली एक संदिग्ध मिसाइल शुक्रवार को दागी। अमेरिका ने अपने सभी सैनिकों को तत्काल उत्तरी जापान में एयर बेस में शरण लेने के लिए कहा है। मिसावा इंस्टॉलेशन कमांडर ने सभी कर्मियों को उत्तर कोरिया के मिसाइल लॉन्च के बाद आगे की जानकारी मिलने तक कवर लेने और इंतजार करने का निर्देश दिया है।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका को निशाना बनाने के लिए निर्मित लंबी दूरी तक मार करने वाली एक संदिग्ध मिसाइल शुक्रवार को दागी। दक्षिण कोरिया और जापान ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया और जापान के साथ अपने गठजोड़ को मजबूत करने के अमेरिक के प्रयासों के विरोध में उत्तर कोरिया के अपनी परीक्षण गतिविधियों को फिर शुरू करने के बाद यह प्रक्षेपण किया गया। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने एक बयान में कहा कि उत्तर कोरिया के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह एक बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण करने के बारे में पता चला है। इसके एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) होने की आशंका है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी तटीय क्षेत्र से आईसीबीएम श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जो पूर्वी समुद्र क्षेत्री की ओर गई।

मिसाइल सुबह 10 बजकर 14 मिनट पर दागी गई, वह अब भी हवा में है और और जापानी विशेष आर्थिक क्षेत्र के अंदर गिर सकती है। अगर इसकी पुष्टि हो जाती है तो करीब दो सप्ताह के भीतर उत्तर कोरिया का यह पहला आईसीबीएम प्रक्षेपण होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि तीन नवंबर को उत्तर कोरिया द्वारा प्रक्षेपित एक आईसीबीएम उम्मीद के मुताबिक उड़ान नहीं भर पाई। ऐसा माना जा रहा है कि तीन नवंबर के परीक्षण में एक नए प्रकार की आईसीबीएम शामिल थी। उत्तर कोरिया के पास दो अन्य प्रकार के आईसीबीएम 'ह्वासोंग-14' और 'ह्वासॉन्ग-15' हैं। 2017 में उनके परीक्षण से स्पष्ट हो गया था कि वे अमेरिका की सरजमीं तक पहुंचने में सक्षम हैं।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने उत्तर कोरियाई के प्रक्षेपण पर चर्चा करने के लिए एक आपात सुरक्षा बैठक बुलाई है। जापान के रक्षा मंत्री यासुकाजु हमदा ने कहा, '' उत्तर कोरिया इस साल लगातार मिसाइल दाग रहा है और इससे कोरियाई प्रायद्वीप में लगातार तनाव बढ़ रहा है।'' इससे पहले, उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चो सोन ह्यू ने अमेरिका द्वारा क्षेत्र में अपने सहयोगियों-दक्षिण कोरिया और जापान की सुरक्षा को लेकर दृढ़ प्रतिबद्धता जताने के जवाब में ''कड़ी'' सैन्य कार्रवाई शुरू करने की बृहस्पतिवार को धमकी दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस विधायक सैत को जान से मारने की धमकी, टीपू सुल्तान की मूर्ति स्थापित करने की घोषणा की

मैसूर । कर्नाटक के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक तनवीर सैत ने टीपू सुल्तान की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा करने पर जान से मारने की धमकी मिलने का आरोप लगाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने सकलेशपुर के एक हिंदू कार्यकर्ता रघु के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सैत ने घोषणा की है कि वह मैसूर या श्रीरंगपटना में टीपू सुल्तान की 108 फीट ऊंची मूर्ति स्थापित कराएंगे। इस पर प्रतिक्रिया देकर रघु ने वीडियो में सैत से मूर्ति स्थापना को लेकर बयान जारी करने के लिए माफी मांगने का आग्रह किया। उन्होंने कन्नड़ में कहा, अगर बयान वापस नहीं लिया जाता है, तब आपको दफनाने के लिए जगह तैयार है। वीडियो वायरल होने पर विधायक सैत के साथ के.सी.बीड़ी मजदूर संघ के सचिव शौकत पाशा ने भी मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। दक्षिण कर्नाटक के एक प्रमुख अल्पसंख्यक नेता सैत ने अपने पिता अजीज सैत की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया और मैसूर शहर में नरसिम्हाराजा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें 2019 में एसडीपीआई कार्यकर्ता पे कथित तौर पर चाकू मार दिया था। तनवीर सैत ने 18वीं शताब्दी के शासक टीपू सुल्तान को बदनाम करने और उनकी छवि को विकृत करने के प्रयास के लिए सत्तारूढ़ भाजपा और हिंदू संगठनों की निंदा की और टीपू की एक प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की।

आवारा कुत्तों को रखने का मतलब यह नहीं, दूसरों के लिए परेशानी खड़ी हो

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने महिला की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार किया, जिसमें उसने 60 से अधिक आवारा कुत्तों को संरक्षण देने की मांग की थी। महिला काफी समय से इन कुत्तों की देखभाल कर रही है। न्यायमूर्ति एम.आर. शाह और न्यायमूर्ति एम.एम.सुंद्रेश की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से कहा कि वह इस मामले को इसी मुद्दे पर सुनवाई कर रही एक अन्य पीठ के समक्ष उठाएं। पीठ ने कहा, आवारा कुत्तों को रखने का मतलब यह नहीं है कि आप उन्हें सड़कों पर ले जाएं, लड़ाई करें और लोगों के जीवन में परेशानी खड़ी करें।'' पीठ ने आदेश में कहा, जैसा कि बताया गया है कि इसी तरह के मुद्दे पर एक अन्य पीठ सुनवाई कर रही है इसलिए वर्तमान रिट याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट मध्य प्रदेश की समरिन बानो की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें दावा किया गया है कि राज्य में आवारा कुत्तों को सुरक्षा प्रदान नहीं की जा रही है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं और उन्होंने उन 67 आवारा कुत्तों के लिए संरक्षण की मांग की थी, जिनकी वह काफी समय से देखभाल कर रही हैं।

पहली बार, सेना की छह महिला अधिकारियों ने डीएसएससी परीक्षा उत्तीर्ण की

नई दिल्ली । पहली बार, सेना की छह महिला अधिकारियों ने प्रतिष्ठित ''डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कोर्स (डीएसएससी) और डिफेंस सर्विसेज तकनीकी स्टाफ कोर्स (डीएसटीएससी) परीक्षा पास की है। इन परीक्षाओं का आयोजन हर साल सितंबर में होता है। अधिकारियों ने बताया कि डीएसएससी और डीएसटीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली छह अधिकारियों में से चार अधिकारी तीनों सेवाओं के अपने पुरुष समकक्षों के साथ तमिलनाडु के वेलिंगटन में स्थित ''डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज'' में एक साल का कोर्स करेंगी। महिला अधिकारियों को स्टाफ नियुक्तियों के परिचालन, सैन्य खुफिया, परिचालन और प्रशासनिक पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, कमांड नियुक्तियों के लिए विचार के दौरान प्रतिष्ठित स्टाफ कोर्स का पर्याप्त महत्व होता है। अधिकारियों ने बताया कि शेष दो महिला अधिकारियों में से एक डीएसटीएससी की आरक्षित सूची में है और दूसरी को एडमिनिस्ट्रेशन एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट कोर्स (एएलएमसी) इंटेलिजेंस स्टाफ कोर्स (आईएससी) के लिए चुना गया है। सेना ने कहा कि भारतीय सेना के 1,500 से अधिक अधिकारी डीएसएससी/ डीएसटीएससी प्रवेश परीक्षा में शामिल होते हैं। इस वर्ष, पहली बार सेना की 22 महिला अधिकारियों ने परीक्षा दी। सेना सेवा कोर, सेना वायु रक्षा, सेना आयुध कोर, सिग्नल कोर, खुफिया कोर, इंजीनियर्स कोर और ईएमई कोर की इन महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया जा चुका है।

कश्मीर-कश्मीर कर रहा था पाकिस्तान, यूएनजीए में भारत ने लगाई जमकर क्लास

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने एक बार फिर से संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी इंटरनेशनल बेज्जती करवाई है। मुद्दा वही पुराना कश्मीर का था। जिसे पाकिस्तान समय-समय पर दुनिया के अलग-अलग मंचों पर उठाता रहता है। इस बार भी वैसा ही हुआ। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बहस के दौरान पाकिस्तान का मुद्दा उठाने के लिए जमकर फटकार लगाई। संयुक्त राष्ट्र मिशन में भारत के काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा कि आज जब हम यूएनएससी में सुधारों पर चर्चा करने के लिए मिल रहे हैं तो पाकिस्तान के एक प्रतिनिधि ने फिर से जम्मू कश्मीर का जिक्र किया जो कि बेमतलब है। भारत ने एकबार फिर साफ किया कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। भले ही पाकिस्तान कुछ भी कहे। भारत के काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा कि आज जब हम यूएनएससी सुधारों पर चर्चा करने के लिए मिल रहे हैं, तो पाकिस्तान के एक प्रतिनिधि ने फिर से जम्मू-कश्मीर का बेफिजूल संदर्भ उठा दिया। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है, भले ही पाकिस्तान का प्रतिनिधि कुछ भी मानता हो. दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संयुक्त राष्ट्र महासभा की एक महत्वपूर्ण बैठक चल रही थी। इसी दौरान पाकिस्तान को जब बोलने का मौका मिला तो उसने कश्मीर का मुद्दा उठा दिया। राइट टू रिप्लाई के तहत भारत ने जवाब दिया और पाकिस्तान के झूठे दावों की पोल खोल दी। भारत ने कहा कि झूठ फैलाने की पाकिस्तान की बेताब कोशिशें और बहुपक्षीय वैश्विक मंचों की पवित्रता हनन करने की उसकी बुरी आदत की सामूहिक आलोचना होनी चाहिए।

300 कॉमन ब्रांड्स की दवाओं पर क्यूआर कोड लगाने की तैयारी, पता लगेगा दवा असली हैं या नकली

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने 300 कॉमन ब्रांड्स की दवाओं पर क्यूआर कोड लगाने का फैसला हुआ है। इसका मसकद एनाल्जेसिक, विटामिन, मधुमेह और हायपरटेंशन की कॉमन ड्रग्स की प्रामाणिकता सुनिश्नत करना है। मोदी सरकार के कदम से डोलो, एलेग्रा, सेरिडॉन, कॉरेक्स आदि प्रसिद्ध ब्रांड प्रभावित होने वाले हैं। इसी साल जून में जारी ड्रॉफ्ट अधिसूचना को इसी महीने फाइनल किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार हालांकि सूत्रों ने बताया है कि दवा उद्योग ने इस लागू कराने के लिए 18 महीने (अंतिम अधिसूचना की तारीख से) का समय मांगा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस लागू करने के लिए औषधि नियम, 1945 में आवश्यक संशोधन किए हैं। मार्च 2022 में मंत्रालय ने फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी) को उन 300 दवा ब्रांडों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए कहा था, जिन्हें अनिवार्य क्यूआर कोड के कार्यान्वयन के लिए शामिल किया जा सकता है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एपीपीए) ने 300 दवाओं की सूची की पहचान की थी, जिसमें व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं जैसे दर्द-निवारक, गर्भनिरोधक, विटामिन, ब्लड शुगर और हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं शामिल हैं।

एपीपीए ने डोलो, एलेग्रा, अस्थलिन, ऑगमेंटिन, सेरिडोन, लिमसी, कैलपोल, कोरेक्स, थायरोनॉर्म, अनवांटेड 72 आदि जैसे लोकप्रिय ब्रांडों की पहचान की। इन अधिक बिकने वाले ब्रांडों को उनके मूविंग एनुअल टर्नओवर (मैट) मूल्य के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया गया है। 14 जून को जारी ड्राफ्ट नोटिफिकेशन में, मंत्रालय ने कहा है कि उक्त फॉर्मूलेशन उत्पादों के निर्माता अपने प्राथमिक पैकेजिंग लेबल पर क्रिक रिस्पांस (क्यूआर) कोड छापें या चिपकाएं।प्राथमिक उत्पाद पैकेजिंग में दवाओं की बोतल, कैन, जार या ट्यूब शामिल हैं। मोदी सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दवाएं सुरक्षित और सही हैं, नकली नहीं हैं।

'आतंकवादी को पनाह देना आतंकवाद को बढ़ावा देने के बराबर', गृह मंत्री बोले- कुछ ऐसे देश हमारे संकल्प को कमजोर करना चाहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन में गृह मंत्री अमित शाह ने साफ तौर पर कहा कि आतंकवादी हिंसा फैला रहे हैं, युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे हैं और वित्तीय स्रोतों के नए रास्ते खोज रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी पहचान छुपाने और कट्टरपंथी सामग्री फैलाने के लिए आतंकवादी डार्क नेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। शाह ने साफ तौर पर कहा कि क्रिप्टोकरेंसी जैसी आभासी संपत्ति का उपयोग भी बढ़ रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि हमें डार्क नेट पर होने वाली ऐसी गतिविधियों के पैटर्न का विश्लेषण और समझना होगा और उनका समाधान खोजना होगा। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, कुछ ऐसे देश हैं जो आतंकवाद से निपटने के हमारे सामूहिक संकल्प को कमजोर या नष्ट करना चाहते हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अक्सर हमने देखा है कि कुछ देश आतंकवादियों को ढाल देते हैं और उन्हें शरण देते हैं। एक आतंकवादी को पनाह देना आतंकवाद को बढ़ावा देने के बराबर है। ऐसे तत्व और ऐसे देश अपने मंसूबों में कामयाब न हों, यह देखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अगस्त 2021 के बाद, दक्षिण एशियाई क्षेत्र में स्थिति में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने बिना किसी देश का नाम लिए कहा कि सत्ता में बदलाव, और आईएसआईएस और अल कायदा के प्रभाव में वृद्धि क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। नए समीकरणों ने टेरर फंडिंग के मुद्दे को और भी गंभीर बना दिया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत ने आतंकवाद का बहादुरी से मुकाबला किया है और वह तब तक चैन से नहीं बैठेगा जब तक इसे जड़ से उखाड़ कर फेंक नहीं दिया जाता। प्रधानमंत्री ने राजधानी स्थित होटल ताज पैलेस में आतंकवाद-रोधी वित्तपोषण पर 'आतंक के लिए कोई धन नहीं' (नो मनी फॉर टेरर) विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय

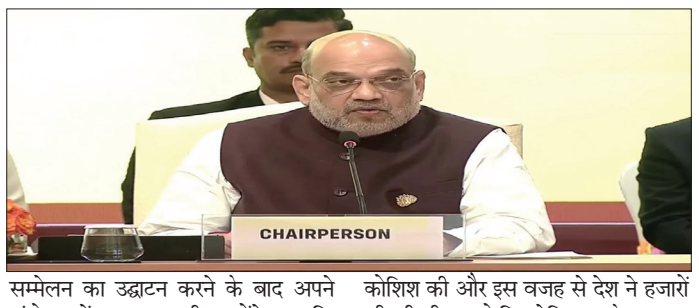

सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि दशकों से विभिन्न नामों और रूपों में आतंकवाद ने भारत को चोट पहुंचाने की कोशिश की और इस वजह से देश ने हजारों कीमती जीवन खो दिए लेकिन इसके बावजूद देश ने आतंकवाद का बहादुरी से मुकाबला किया है।

राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका: राजनाथ

पिछले 7-8 सालों में तस्वीर काफी बदली है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उडुपी में मणिपाल स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग के नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब मैं शिक्षा की बात करता हूं, तो मेरा मतलब थ्योरेटिकल और प्रैक्टिकल दोनों से होता है। हमें केवल ज्ञान ही नहीं, विवेक भी होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि निरक्षरता गरीबी, बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि एक समय था जब भारत वैज्ञानिक तकनीक में नंबर 1 था। शून्य की अवधारणा भारत ने दुनिया को दी। द्विघात समीकरण भी भारत ने दिया था। उन्होंने ये भी कहा कि हमारे यहाँ कहा गया है, 'सा विद्या या विमुक्तए।' यानी विद्या वह है, जो आपको तमाम बंधनों, यानी सीमाओं से निः शुल्क करती है। मानव जीवन अनेक बंधनों से बंधा होता है, विकास के लिए जिनसे मुक्त होना आवश्यक होता है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि आप सभी दुनिया की अब तक के आर्थिक विकास पर एक सरसरी निगाह डालें, तो पाएंगे कि दुनिया की ज़्यादातर सभ्यताएँ उन साइटों पर विकसित हुईं, जो उपजाऊ भूमि और नदियों जैसे sources से well-served थे। उस

समय कृषि एक प्रमुख धन निर्माता हुआ करती थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज की दुनिया काफी बदल चुकी है। आज की जिंदगी ज्ञान गहन प्रकृति की है। इसका अर्थ है, कि किसी राष्ट्र को आगे ले जाने में वहां के नागरिकों की तकनीकी क्षमताएं और अभिनव स्वभाव, सबसे निर्णायक कारक है।

इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि पहले देश में कोई स्टार्ट-अप इको सिस्टम नहीं था, मगर पिछले 7-8 सालों में तस्वीर काफी बदली है। साल 2014 से पहले देश में बमुश्किल कुछ सौ स्टार्ट-अप्स थे। आज देश में स्टार्ट-अप्स की संख्या 70,000 को पार कर गई है। यह सफलता की कहानियां आप जैसे युवाओं ने ही लिखी है। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का जिक्र करते हुए कहा कि NEP-2020 का उद्देश्य, पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान के माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी को वैश्विक नागरिक बनाना है। किसी भी के राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका होती है।

केजरीवाल ने लिख कर किया दावा, सूरत में 16 में से 8 से ज्यादा सीट जीत रही आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार गुजरात में पार्टी के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। केजरीवाल की ओर से दावा किया जा रहा है कि गुजरात में इस बात आम आदमी पार्टी अपनी सरकार बनाएगी। इन सबके बीच आज अरविंद केजरीवाल ने लिखकर दावा किया है कि सूरत क्षेत्र के 16 सीटों में से उनकी पार्टी 8 से ज्यादा सीट जीत रही है। केजरीवाल ने पंजाब चुनाव के दौरान अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में लिखकर दावा किया था कि वे जीत रहे हैं। बाद में उनका दावा नतीजों में तब्दील भी हुआ। जिसके बाद से हर कोई केजरीवाल से लिखित दावा कराना चाहता है। आज एक बार फिर से उन्होंने दावा कर दिया है कि गुजरात के सूरत में उनकी पार्टी 16 में से 8 से ज्यादा सीट जीत रही है।

इससे पहले आप के नेता ने कहा था कि हमने गुजरात में आम आदमी को टिकट दिए हैं। केजरीवाल ने गुजरात में कई बड़े दावे किए हैं। इससे पहले एक चुनावी रैली के दौरान गुजरात में अरविंद केजरीवाल ने भाजपा से पूछा था कि मैंने 5 साल में अच्छे स्कूल बनवाएं, बिजली मुफ्त दी। आप गुजरात में ऐसा क्यों नहीं करते हो। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया था कि भाजपा को अहंकार हो गया है इसलिए आम आदमी पार्टी को लोग इस बार वोट देंगे और उनका घमंड तोड़ देंगे। केजरीवाल ने गुजरात के लोगों से कांग्रेस पर 'अपना वोट बर्बाद नहीं करने' और इसके बजाय आप को वोट देने की अपील करते हुए दावा कर रहे हैं कि उनकी पार्टी का सत्तारूढ़ भाजपा के साथ सीधा मुकाबला है। केजरीवाल ने दावा किया कि एक और पांच दिसंबर को होने वाले 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ चार-पांच सीट मिलेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गुजरात में 27 सालों से सत्ता में है। केजरीवाल ने कहा था कि मेरा अनुमान है कि कांग्रेस का मत प्रतिशत 13 फीसदी से नीचे गिर जाएगा और उसे 4-5 सीट मिलेगी। यह आप और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। उन्होंने अब भी कांग्रेस को मत देने का मन बना रखे पार्टी के कट्टर मतदाताओं से अपील की कि वे ऐसा करके 'अपना मत बर्बाद न करें'।

जबरन धर्मांतरण पर सीएम धामी का बयान, हम बहुत कठोर कानून बनाने वाले हैं, होगा सबसे अधिक सजा का प्रावधान

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार ने जबरन धर्मांतरण को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बनाकर राज्य के धर्मांतरण विरोधी कानून को 10 साल के कारावास के प्रावधान के साथ सख्त बनाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2018 में संशोधन को विधानसभा में अपनी मंजूरी दे दी है। उत्तराखंड धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम, 2018, ÷जबरन या धोखाधड़ी÷ धर्मांतरण के दोषी किसी भी व्यक्ति के लिए पांच साल तक की जेल की सजा का प्रावधान करता है। अब इसको लेकर राज्य के मुख्यमंत्री का बयान भी सामने आया है।

चंपावत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा और योग सम्मेलन में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी सरकार योग और आयुष के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। हमने समान नागरिक संहिता का कानून लागू करने का भी निर्णय लिया है। जिस पर कमेटी काम कर रही है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि धर्मांतरण को लेकर भी हमने कड़ा फ़ैसला लिया है। धर्मांतरण पर हम बहुत कठोर कानून बनाने वाले हैं। हमने देश में सबसे अधिक सजा का प्रावधान इस धर्मांतरण के कानून में करने का निर्णय लिया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा शासित पड़ोसी उत्तर प्रदेश की तर्ज पर धर्मांतरण विरोधी कानून को और अधिक सशक्त बनाने का प्रस्ताव उत्तराखंड पुलिस के सुझाव पर आया है, जब राज्य सरकार ने इस पर राय मांगी थी। उत्तराखंड कांग्रेस के प्रमुख करण महरा ने कहा, ÷सरकार का ध्यान जनोन्मुख मुद्दों, उनके जीवन में सुधार, कानून-व्यवस्था की स्थिति पर होना चाहिए।

श्रद्धा मर्डर मामले पर हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने दी पढ़ी-लिखी लड़कियों को सलाह तो हो गया विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई की लड़की श्रद्धा वालकर को आफताब पूनावाला ने जिस बेरहमी से मारा उसके बाद समाज में तमाम तरह की चर्चाएं हो रही हैं और लोग ज्यादातर शिक्षा लड़कियों को ही दे रहे हैं। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के एक बयान को लेकर बड़ा विवाद हो गया है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने कहा है कि 'लिव-इन-रिलेशनशिप' (शादी के बिना साथ रहने) से 'अपराध बढ़ रहे हैं' और पढ़ी-लिखी लड़कियों को ऐसे संबंधों में नहीं पड़ना चाहिए। कौशल किशोर ने श्रद्धा वालकर हत्या मामले का जिक्र करते हुए कहा कि लिव-इन-रिलेशनशिप के चलते अपराध होता है और इसके लिए पढ़ी-लिखी लड़कियां खुद जिम्मेदार हैं क्योंकि वे ऐसे रिश्ते की खातिर अपने माता-पिता को छोड़ देती हैं। कौशल किशोर ने कहा कि लिव इन रिलेशनशिप की बजाय लड़कियों को अदालत में जाकर शादी कर लेनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने श्रद्धा वालकर हत्या मामले का जिक्र करते हुए एक समाचार चैनल से कहा, 'लड़कियां जिम्मेदार होती हैं, क्योंकि वे अपने माता-पिता को छोड़ देती हैं, जिन्होंने उन्हें वर्षों

तक पाला-पोसा।' उन्होंने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप में क्यों रह रहे हो। अगर उन्हें ऐसा करना ही है तो लिव-इन रिलेशनशिप के लिए उचित रजिस्ट्रेशन होना चाहिए। यदि माता-पिता ऐसे संबंधों के लिए सार्वजनिक रूप से तैयार नहीं होते हैं, तो आपको कोर्ट मैरिज करनी चाहिए और फिर साथ रहना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'ऐसी घटनाएं उन सभी लड़कियों के साथ हो रही हैं जो पढ़ी-लिखी हैं और सोचती हैं कि वे बहुत स्पष्टवादी हैं और अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं।' मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि इसके लिए पढ़ी-लिखी लड़कियां जिम्मेदार होती हैं क्योंकि मां-बाप दोनों ऐसे रिश्ते को नहीं मानते। इसलिए पढ़ी-लिखी लड़कियों को ऐसे रिश्ते नहीं बनाने चाहिए।' मंत्री ने यह भी कहा, 'यह लिव-इन रिलेशनशिप क्या है, यह अपराध को जन्म दे रहा है। यह गलत बात है और लोग इसके परिणाम भुगत रहे हैं।'

उधर, केंद्रीय मंत्री के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट किया, 'अगर प्रधानमंत्री कार्यालय वास्तव में महिला शक्ति के बारे में जो कहता है, उसका कुछ मतलब है तो उन्हें इस केंद्रीय मंत्री को तुरंत बर्खास्त करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि हम महिलाएं इस पुरुषवादी समाज की इस बकवास को बहुत झेल चुकी हैं।'' प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'हैरान हूं कि उन्होंने यह नहीं कहा कि इस देश में पैदा होने के लिए भी लड़कियां खुद जिम्मेदार हैं।' उन्होंने कहा कि महिलाओं को हर समस्या के लिए जिम्मेदार ठहराने की मानसिकता लगातार फल-फूल रही है। शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस बयान पर मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'महिलाओं को दोष देने' के लिए केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री कौशल किशोर को तत्काल पद से हटाने का आग्रह किया है।

फारूक अब्दुल्ला ने जेकेएनसी पार्टी अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, उमर के अध्यक्ष बनने की उम्मीद

श्रीनगर । पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (जेकेएनसी) पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर जेकेएनसी संरक्षक ने कहा, 'मेरा स्वास्थ्य मुझे अब पार्टी का नेतृत्व करने की अनुमति नहीं देता है। अब्दुल्ला ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। अगले महीने नए अध्यक्ष पद के लिए नए सिरे से चुनाव होना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पार्टी के उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला के नए अध्यक्ष बनने की संभावना है। हालांकि इसका फैसला 5 दिसंबर को चुनाव में होगा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और संचार प्रभारी तनवीर सादिक ने बताया कि चुनाव 5 दिसंबर को होगा और इसकी अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी। इससे पहले अब्दुल्ला ने पार्टी अध्यक्ष पद से हटने का संकेत दिया था। हालांकि, चुनाव होने तक वह अध्यक्ष पद पर बने रहने वाले है।

'कांग्रेस हमेशा देश को तोड़ने का काम करती है', गुजरात में राहुल गांधी पर जमकर बरसे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

अहमदाबाद (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधते हुए साफ तौर पर कहा कि वह भारत जोड़ो नहीं बल्कि भारत तोड़ो यात्रा कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस हमेशा देश को तोड़ने का काम करती है। दिल्ली में जेएनयू में नारे लगते हैं कि अफसल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं। और राहुल गांधी जेएनयू जाकर कहते हैं हम तुम्हारे साथ हैं। और नारे लगते हैं, भारत तेरे टुकड़े होंगे। उन्होंने कहा कि अभी कल ही राहुल गांधी ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर के खिलाफ निंदनीय बयान दिया। इससे पता चलता है कि इनकी क्या सोच है, ये भारत जोड़ने नहीं, तोड़ने निकले हैं।

नड्डा ने आगे कहा कि गुजरात संतों की भूमि है, शेरों की भूमि है, ये देश को दिशा देने वाली भूमि है, इतिहास इस बात का साक्षी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल का संबंध भी गुजरात से है। वहीं राजनीति की संस्कृति को बदलकर, देश सेवा से ओत-प्रोत और नवभारत के निर्माण की बात करें तो हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री भी इसी भूमि से हैं। उन्होंने कहा कि देश की राजनीति में जितनी भी पार्टियां सत्ता में आईं, उन्होंने सिर्फ वोट बैंक की राजनीति की। देश की जनता को जातियों और धर्मों में बांटने का काम किया। सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ने 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र पर काम किया। उन्होंने कहा कि पहले शुद्ध जल के लिए गुजरात में लोग सड़कों के किनारे लंबे समय के लिए खड़े रहते थे। टैंकर आता था तब पानी मिलता था। आज हर घर नल और हर घर जल मोदी जी ने दिया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 70 सालों से हमारे घर की महिलाएं अपने इज्जत के साथ समझौता करके खुले में शौच जाती थी। आज मोदी जी ने घर-घर शौचालय बनाकर महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है। उसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि देश बदला है, आज देश लेने वाला नहीं देने वाला है। हमने 100 देशों को कोरोना की वैक्सीन पहुंचाई है और 48 देशों को मुफ्त वैक्सीन पहुंचाई है। भारत अब विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादक बन गया है। स्टील उत्पादन में भारत दूसरे नंबर पर आ गया है। उन्होंने कहा कि इस देश में टिटनेस की दवा को आने में 25 साल लग गए, स्मॉल पॉक्स की दवा आने में 28 साल लग गए,

ट्यूबरक्लोसिस की दवा आने में 30 साल लग गए, जापानी बुखार की दवा आने में 100 साल लग गए, और मोदी जी ने 9 महीने के अंदर कोरोना के 2-2 वैक्सीन बनाकर भारत को सुरक्षा कवच देने का काम किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आप उम्मीदवार के हटने से सूरत पूर्व सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत पूर्व विधानसभा सीट पर आप को बड़ा झटका लगा है। आप प्रत्याशी कंचन जरीवाला के अपना नाम वापस लेने के बाद डमी निर्दलीय उम्मीदवार सलीम मुलतानी भी चुनाव मैदान से हट गए हैं। अब सूरत पूर्व सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होगा। बता दें कि हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद चर्चा में आई सूरत पूर्व सीट पर आप ने कंचन जरीवाला को उम्मीदवार बनाया था। जबकि डमी प्रत्याशी सलीम मुलतानी ने निर्दलीय उम्मीदवारी दर्ज कराई थी। नाम वापस लेने के एक दिन पहले कंचन जरीवाला परिवार समेत लापता हो गए। आप ने भाजपा पर कंचन जरीवाला पर नाम वापस लेने का दबाव बनाने और अपहरण करने का आरोप लगाया था। दूसरे दिन कंचन जरीवाला चुनाव अधिकारी के पहुंचे और अपना नाम वापस ले लिया। दूसरी ओर आप ने चुनाव आयोग से कंचन जरीवाला का नामांकन रद्द ना करने का अनुरोध किया और इसके लिए दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत आप कार्यकर्ताओं ने धरना भी किया। लेकिन कंचन जरीवाला ने चुनाव अधिकार के समक्ष बयान दिया कि वह किसी के दबाव और लालच में आकर अपना नाम वापस नहीं ले रहे। कंचन जरीवाला के नाम वापस लेने के बाद सलीम मुलतानी भी चुनाव मैदान से हट गए। चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक पार्टी का मेंडेट नहीं होने की वजह से सलीम मुलतानी बतौर आप उम्मीदवार चुनाव लड़ सकते। नतीजतन सलीम मुलतानी ने भी अपना नाम वापस ले लिया। आप उम्मीदवार कंचन जरीवाला के चुनाव मैदान से हटने से अब सूरत पूर्व सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होना तय है।

महात्मा गांधी ने कहा था– कांग्रेस का विसर्जन कर देना चाहिए : योगी आदित्यनाथ

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मोरबी,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुजरात चुनाव प्रचार का आज उस मोरबी जिले से आगाज किया, जहां पिछले महीने ब्रिज दुर्घटना में 130 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। मोरबी के वांकानेर में आयोजित चुनाव सभा में योगी आदित्यनाथ ने ब्रिज दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि मोरबी दुर्घटना के पीड़ितों के साथ पूरा देश खड़ा है। चुनाव सभा में योगी ने कांग्रेस पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने कांग्रेस का विसर्जन करने को कहा था। उन्होंने कहा मैं उत्तर प्रदेश का निवासी हूं यानी गंगा और यमुना के आशीर्वाद बने रहेंगे। लेकिन आज भगवान श्रीकृष्ण, महात्मा गांधी, सरदार पटेल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धरती पर आप लोगों से रूबरू होने का मौका मिला

है। उन्होंने कहा कि आज चहुंओर गुजरात मॉडल की चर्चा होती है। भाजपा गरीब कल्याण का मॉडल है और इज ऑफ लिविंग का मॉडल पूरा देश को दिया है जिसे आज पूरी दुनिया देख रही है। गुजरात मॉडल ने कोरोनाकाल में रणनीति दी है। गरीबों का राशन देने का काम किया है। नई योजनाएं लाने का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि गुजरात जैसा काम कहीं नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने कश्मीर से धारा 370 को खत्म कर दिया। भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण का वादा पूरा किया। वाराणसी में काशी विश्वनाथ और उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के भव्यता प्रदान की। उन्होंने कहा कि गुजरात की प्रत्येक सीट पर कमल का फूल ही खिलना चाहिए। मोरबी में योगी आदित्यनाथ का जेसीबी के साथ भव्य स्वागत किया गया। मोरबी के बाद योगी आदित्यनाथ ने वडोदरा के झगडिया निर्वाचन क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस ने देश को आतंकवाद और नक्सलवाद के अलावा और क्या दिया। अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर को लेकर योगी ने कहा कि राम मंदिर राष्ट्र मंदिर बनेगा।

नवसारी में कांग्रेस को और राजकोट में आप को बड़ा झटका, कार्यकर्ता ने किया राम राम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात चुनाव का काउंटडाउन शुरूहो गया है, बावजूद इसके विभिन्न राजनीतिक दलों में अब भी भगदड़ जारी है। दक्षिण गुजरात में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है तो सौराष्ट्र के राजकोट में आप को कार्यकर्ताओं ने झटका दिया है। नवसारी जिले की जलालपोर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस में बड़ी सेंध लगाने में भाजपा को सफलता मिली है। वर्ष 2017 के जलालपोर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहे परिमल पटेल ने भाजपा का भगवा धारण कर लिया। परिमल पटेल के साथ 2000 से भी ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भाजपा जॉइन कर ली। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख और नवसारी के सांसद सीआर पाटील ने कांग्रेस से आए परिमल पटेल समेत कार्यकर्ताओं को भगवा पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी परिमल पटेल भाजपा उम्मीदवार आरसी पटेल से 25 हजार से भी अधिक वोटों से हार गए थे। दूसरी ओर गुजरात में अपनी जमीन मजबूत करने पूरी ताकत झोंक रही आप को राजकोट ग्रामीण सीट पर बड़ा झटका लगा है। राजकोट के कोटडा सांगाणी में आप के करीब 200 से अधिक कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश बथवार और अर्जुन खाटरिया ने आप से आए कार्यकर्ताओं को पार्टी में स्वागत किया।

चुनाव से पहले द्वारका में कांग्रेस को झटका, पूर्व विधायक मेरामण गोरिया भाजपा जॉइन करेंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव का काउंट डाउन शुरूहो गया है और भाजपा, कांग्रेस और आप समेत सभी राजनीतिक दल जीत के लिए एडीचोटी का जोर लगा रहे हैं। गुजरात चुनाव से पहले कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। टिकट ना मिलने से नाराज कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं और अब देवभूमि द्वारका जिले में पूर्व विधायक मेरामण गोरिया कांग्रेस को झटका देने जा रहे हैं। जानकारी है कि मेरामण गोरिया अपने समर्थकों के साथ कभी भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। मेरामण गोरिया देवभूमि द्वारका जिले के खंभालिया सीट से टिकट ना मिलने से नाराज हैं। कांग्रेस ने खंभालिया सीट से विक्रम माडम को उम्मीदवार बनाया है। जिससे मेरामण गोरिया ने भाजपा जॉइन करने का फैसला किया है और संभवतः आज ही वह अपने समर्थकों के साथ भगवा धारण कर लेंगे। बता दें कि इससे पहले भी कई बार गोरिया के भाजपा जॉइन करने की चर्चा होती आई है परंतु उन्होंने कांग्रेस नहीं छोड़ी। मेरामण गोरिया को उम्मीद थी कि इस बार चुनाव में खंभालिया सीट से उन्हें टिकट मिलेगा। लेकिन टिकट ना मिलने से नाराज गोरिया ने भाजपा में जाने का फैसला किया है। देवभूमि द्वारका जिले की खंभालिया सीट पर अबकी बार दिलचस्प त्रिकोणीय मुकाबला होना है। भाजपा ने खंभालिया से मूलुभाई बेरा को, कांग्रेस ने विक्रम माडम को और आप ने अपने सीएम चेहरे इसुदान गढवी को चुनाव मैदान में उतारा है।